News Letter

मुक्त चिन्तन

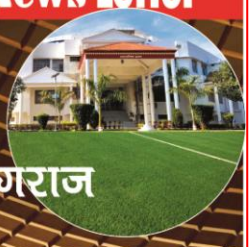

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

माह–जून 2021

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

प्रोफेसर सीमा सिंह
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
फोन नंबर ऑफिस: 0532 -2447028
फैक्स : 2447032

डॉ.अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विद्यालय, प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 752 5048 0 31

श्री अजय कुमार सिंह
वित्त अधिकारी
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48006

श्री डी पी सिंह
परीक्षा नियंत्रक
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48009

इं. सुखराम मथुरिया
उप कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48023

कुलपति की कलम से

मानव को ज्ञानवान, सामर्थ्यवान तथा विवेकवान बनने और बनाने का एकमात्र साधन व माध्यम शिक्षा है। आइये हम सब शिक्षित और दीक्षित हों। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, आयु, स्थान, समय तथा रोजगार आदि के बन्धनों से मुक्त गुणवत्तापरक एवं लचीली उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आपका स्वागत है। शिक्षार्थ आईये सेवार्थ जाइये। समसामयिक समस्याओं, सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र उत्थान में भी यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है। यह नवाचारों के प्रति भी सहज और सजग है। To be a Virtual University के विजन, जीवन पर्यन्त रोजगार, कौशल विकास तथा मानव निर्माण की शिक्षा प्रदान करने के मिशन तथा ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहां'' जैसे सूत्र वाक्य के साथ यह विश्वविद्यालय वर्ष 1999 से समाज की शिक्षा सेवा में तत्पर है। भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के नाम पर तीर्थराज प्रयाग में अवस्थित ग्रीन एवं क्लीन मुख्यालय के तीन परिसरों के साथ यह विश्वविद्यालय उ0प्र0 राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित वर्तमान के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा 1100 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम तथा समर्पित प्राध्यापकों व सहकर्मियों की सहायता से शिक्षार्थी समीपस्थ तथा अधिगम केन्द्रित उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय जन सामान्य चाहे महिला हो या ग्रामीण को सजग व जागरूक बनाने की गतिविधियाँ भी आयोजित व संचालित करता है। मुक्त चिंतन का प्रकाशन भी विश्वविद्यालय का इसी दिशा में एक प्रयास है। इस कार्य हेतु मैं श्री इन्दुभूषण पाण्डेय जी एवं अन्य सहयोगियों को साधुवाद देती हूँ तथा इसके सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ। भारत उत्थान को समर्पित सभी पूर्वजों को नमन करते हुए मैं आशा करती हूँ कि यह विश्वविद्यालय देश, प्रदेश और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने में अवश्य सफल होगा।

जय हिन्द !

Leema.

प्रो0 सीमा सिंह
कुलपति

माननीया कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण

शासन एवं मा0 राज्यपाल जी की मंशानुरूप नैक को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये कैम्पस को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने हेतु स्थान के लिए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने दिनांक 01 जून, 2021 को सायं 04:30 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण किया।

माननीया कुलपति जी ने परिसरों को सुसज्जित करने, पार्किंग व्यवस्था, निर्माण कार्य पूर्ण कराने, कार्यालयों में सफाई व्यवस्था को चुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केन्द्र यथाशीघ्र स्थापित करने हेतु सम्बन्धित निदेशकों, अधिकारियों एवं प्रभारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, मा0 कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, मा0 कुलपति जी के ओ.एस.डी. एवं सम्पत्ति प्रभारी डॉ0 दिनेश सिंह, प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, विद्युत परामर्शदाता श्री उमेश पाण्डेय एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कुलसचिव

वृक्षारोपण के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान - प्रो.सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय ने यमुना परिसर में किया वृक्षारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून को अपराहन 3:00 बजे यमुना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही। कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय के सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता की ।

वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

- वृक्षारोपण के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान
- विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं

माननीया कुलपति

एक स्वच्छ पर्यावरण बच्चों का अधिकार है और हमारा दायित्व आइये प्रयास करें कि जब हम आये थे उसकी तुलना में पृथ्वी को एक बेहतर स्थान के रूप में छोड़ कर जाएं।

विश्व पर्यावरण दिवस

वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह

वृक्षारोपण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

वृक्षारोपण करते हुए प्रो० ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो० पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो० पी. के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा एवं प्रो० सत्यपाल तिवारी निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

वृक्षारोपण के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान - प्रो.सीमा सिंह

वृक्षारोपण के साथ-साथ पेड़ों के संरक्षण की भी आवश्यकता है। इसके लिए हमें समाज में जागरूकता अभियान चलाना होगा। पेड़ लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह ऑक्सीजन के जरिए मानव जीवन की रक्षा करते हैं।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में आयोजित वृक्षारोपण समारोह का उद्घाटन कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने पौधा रोप कर पर्यावरण अभियान की शुरुआत की।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज प्रदूषण से लोग भयंकर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। जिसमें पेड़ों की कटाई पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बन गई है। आज मानव जाति की रक्षा के लिए हमें आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर की विभीषिका में हम देख चुके हैं कि ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों का महत्व हमारी जिंदगी में कितना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण का अभियान अब रुकेगा नहीं और इसे क्षेत्रीय केंद्रों पर भी ले जाया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। हमें आज पर्यावरण को हरा-भरा करने का संकल्प लेना चाहिए। पर्यावरण की रक्षा तभी संभव है जब हम अपने आसपास का वातावरण शुद्ध रखेंगे और गंदगी नहीं फैलाएंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक उपकुलसचिव इंजीनियर सुखराम मथुरिया ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण अभियान में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कुलसचिव डॉ ए के गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

ABP Ganga चैनल पर आज दोपहर 12:45 बजे जानी-मानी शिक्षाविद एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी लाइव कार्यक्रम।

हमारी सारी क्लासेस पहले से ही ऑनलाइन- प्रोफेसर सीमा सिंह

यूपी राजर्षि टंडन ओपन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमारी सारी क्लासेस पहले से ही ऑनलाइन हैं इसलिए हमारे लिए यह कोई नहीं बात नहीं है. बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि परंपरागत विश्वविद्यालय अब हमारी प्रोसेस अपना रहे हैं.

केंद्र की गाइडलाइन का पालन करना चाहिए- सीमा सिंह

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ऑडियो-वीडियो लेक्चर की शुरूआत हो गई है और इसी से छात्रों के साथ संवाद किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हम मोबाइल ऐप के माध्यम से भी छात्रों से जुड़ रहे हैं. सभी को कोरोना के संबंध में केंद्र की गाइडलाइन का भी पालन करना चाहिए.

पर्यावरण दिवस पर मुविवि में ऑनलाइन व्याख्यान

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी | **मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 पृथ्वीश नाग जी**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शनिवार को पोटेंशियल बिजनेस आउट ऑफ क्लाइमेट चेंज विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। ऑनलाइन व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम समन्वयक निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा डॉ प्रेम प्रकाश दुबे ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निदेशक प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ ओम जी गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान में प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आषुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 सन्तोषा कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, शैक्षणिक परामर्शदाता, कर्मचारी एवं अन्य प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

जलवायु परिवर्तन से डरने की आवश्यकता नहीं - डॉ. नाग

ऑनलाइन व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग ने कहा कि आज के भाग-दौड़ में विकास की प्रक्रियाओं से बच पाना संभव नहीं है। विकास के प्रति लोगों के मन में जो गलत धारणाएं हैं कि इससे जलवायु परिवर्तन विशेषकर ग्लोबल वार्मिंग हो रही है उसके कोई पुष्ट साक्ष्य नहीं हैं। डॉ नाग ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से डरने की नहीं बल्कि सकारात्मक ढंग से उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

डॉ0 नाग ने कहा कि विगत 100 वर्षों में यदि थोड़ा बहुत तापमान बड़ा भी है तो वह स्वाभाविक परिवर्तन है। जिसके साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए ज्योग्राफिकल शिफ्ट इन लोकेशन, तकनीकी संशोधन, व्यवसायिक परिवर्तन आदि के माध्यम से ठीक किया जा सकता है इससे मानवता की जीवन एवं जीविका पर विशेष अंतर नहीं आना है बल्कि जो भी अंतर आएगा वह विकासोन्मुखी ही होगा। इसमें उत्पादों की मांग बढ़ेगी। मांग के अनुरूप तकनीकी में सुधार करते हुए उत्पादन बढ़ेगा और अंततः इसके फल स्वरुप व्यवसाय के नए-नए आयाम पैदा होंगे। जिससे रोजगार एवं आय की नई संभावनाएं पैदा होंगी।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ0 पृथ्वीश नाग जी

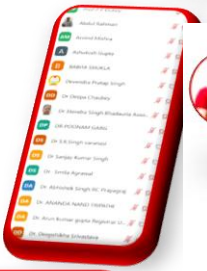

युवा समाज को अपने आप को नई चुनौतियों का सामना करने के अनुरूप व्यवस्थित करना होगा- प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने कहा कि डॉ0 नाग का यह व्याख्यान जलवायु परिवर्तन के विषय में लोगों के मन में बैठे हुए डर को समाप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। यह व्याख्यान उस वक्त जब पूरा विश्व कोविड-19 की दूसरी लहर से उबरने का प्रयास कर रहा है उसमें आशा की नई किरण के समान है। इससे युवा समाज को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की चिंता में ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि अपने आप को नई चुनौतियों का सामना करने के अनुरूप व्यवस्थित करना होगा।

मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए निदेशक प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा, प्रो0 ओम जी गुप्ता

कोरोना काल में इम्युनिटी बढ़ाएगा योग- प्रो सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा का कुलपति ने किया शुभारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में 7 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पखवाड़ा का आयोजन किया गया है। इस पखवाड़े का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने किया। कार्यक्रम समन्वयक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो0 गिरजा शंकर शुक्ला ने माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत किया एवं आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

योग स्वयं को प्रकृति के साथ जोड़ने का साधन है। कोरोना काल में इम्युनिटी बढ़ाने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज जीवन शैली में परिवर्तन की आवश्यकता है। सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह योग के माध्यम से ही संभव है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने योग पखवाड़ा (7 से 21 जून) के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यक्रम समन्वयक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय इस योग पखवाड़े के माध्यम से अच्छे योग्य प्रशिक्षक तैयार करेगा, जिससे पूरे प्रदेश में योग के माध्यम से लोगों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखा जा सके। योग का हमारे शरीर और मन से बड़ा जुड़ाव है।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि 21 जून तक चलने वाले इस योग पखवाड़े में देश के जाने-माने योग विशेषज्ञ योग की विभिन्न विधाओं के बारे में ऑनलाइन प्रशिक्षण देंगे। जिनमें प्रमुख रूप से योग विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार, देश के जाने माने योग विशेषज्ञ एवं मास्टर ट्रेनर योगेंद्र सिंह योगी, दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर जटाशंकर एवं डॉ अतुल मिश्र, बीबीएयू की प्रोफेसर सुनीता मिश्रा, एसआईईटी की ललिता प्रदीप, डॉ अभिषेक कुमार, प्रो जी एस शुक्ल तथा कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता आदि प्रमुख हैं।

विश्वविद्यालय के लोकप्रिय योग कार्यक्रम में अभी तक 60 हजार से ज्यादा शिक्षार्थी योग में जागरूकता, प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं परास्नातक कार्यक्रम पूर्ण करके देश के विभिन्न योग संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस योग पखवाड़े के आयोजन का मकसद ऐसे योग प्रशिक्षकों की फौज तैयार करना है जो कोरोना काल में मानवता की सेवा कर सकें।

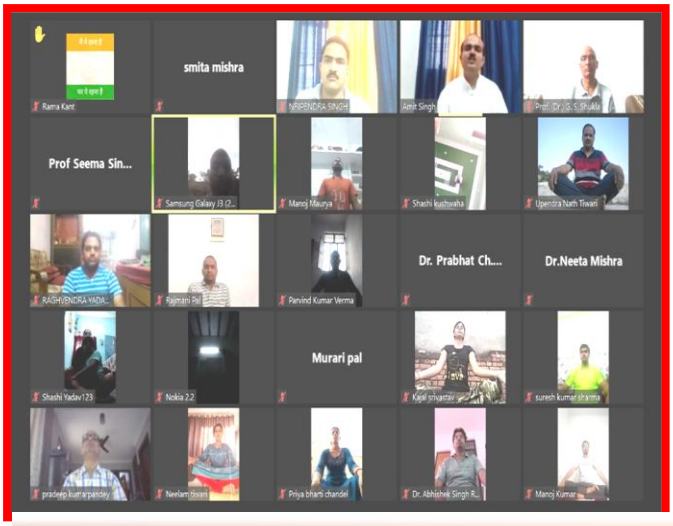

मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर व्याख्यान

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 8 जून 2021 को "**मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान**" पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

योग शरीर की क्रिया प्रणाली को स्वस्थ रखने का अटूट माध्यम. प्रो0 जी0एस0

प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में दिनांक 8 जून 2021 को मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर जी एस शुक्ला रहे। उन्होंने मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर अपना व्याख्यान देते हुए शरीर के विभिन्न अंगों एवं अंग तंत्रों को किस तरह स्वस्थ रखा जाए उस पर प्रकाश डाला । साथ ही मानसिक अवस्था के महत्व के बारे में बताया कि किस प्रकार अस्वस्थ् मानसिक अवस्था शरीर की क्रिया पर अपना विपरीत प्रभाव डालती है तथा एक सामान्य व्यक्ति को असामान्य बना देती है । योग के द्वारा मस्तिष्क के विभिन्न अवययो को बहुत ही भलीभांति स्वास्थ्य रखा जा सकता है तथा व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है।

श्री अमित कुमार सिंह
आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग

मुविवि में रोग और योग विषय पर व्याख्यान

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 09 जून 2021 को "**रोग और योग**" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

श्री अमित कुमार सिंह
परामर्शदाता योग

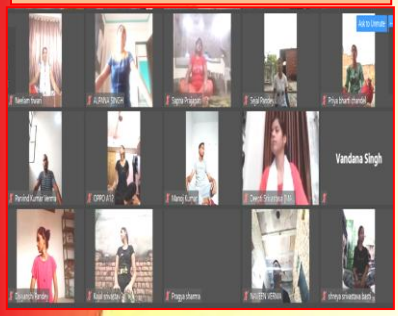

व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है . प्रो0 जी.एस. शुक्ल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में दिनांक 09 जून 2021 को रोग और योग विषय पर व्याख्यान हुआ । व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे। प्रो0 जी एस शुक्ला ने हृदय रोग से संबंधित विभिन्न बीमारियों पर प्रकाश डाला गया एवं उनके योगिक समाधान पर विस्तार से बताया । आज के इस व्याख्यान में उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार जी एवं अपर शिक्षा निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी सहित बहुत सारे प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग के द्वारा मस्तिष्क के विभिन्न अवययो को बहुत ही भली.भांति स्वास्थ्य रखा जा सकता है तथा व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है।

मुविवि के के निदेशकों, प्रभारी विद्याशाखाओं के प्रभारी वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव की बैठक

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा विश्वविद्यालय के निदेशकों, विद्याशाखा के प्रभारीयों, प्रभारी, वित अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव की बैठक दिनांक 09 जून 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, विद्याशाखाओं के प्रभारीगण, प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव

बैठक में प्रो0 ओम जी गुप्ता निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं सीका अध्यक्ष, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 संतोषा कुमार प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, श्री डी.पी.सिंह, परीक्षा नियंत्रक, प्रो0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव उपस्थित रहें।

मुविवि में आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग विषय पर व्याख्यान

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 10 जून 2021 को "**आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग** " विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ अभिषेक कुमार बीएएमएस सीनियर कंसलटेंट हेल्थ एंड वेलफेयर श्री श्री रविशंकर जी आश्रम बेंगलुरु रहे।

आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पैथी ही नहीं अपितु जीवन का रहस्य है . डॉ अभिषेक कुमार

मुख्य वक्ता डॉ अभिषेक कुमार बीएएमएस सीनियर कंसलटेंट हेल्थ एंड वेलफेयर श्री श्री रविशंकर जी आश्रम बेंगलुरु ने आयुर्वेद में वात, पित्त और कफ की भूमिका उनके महत्व के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया। साथी आयुर्वेद चिकित्सा की उपयोगिता के विषय में भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वायु, पित्त और कफ के अनुकूल अवस्था में शरीर स्वस्थ रहता है एवं प्रतिकूल अवस्था में होते ही शरीर रोग ग्रस्त हो जाता है। उन्होंने वात, पित्त और कफ से होने वाली बीमारियों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पैथी ही नहीं

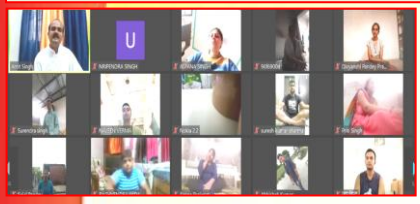

मुविवि के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं अधिकारियों की ऑनलाइन बैठक

विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं अधिकारियों की बैठक दिनाँक 10 जून, 2021 को पूर्वाह्न 11:30 बजे Zoom App के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

इस बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

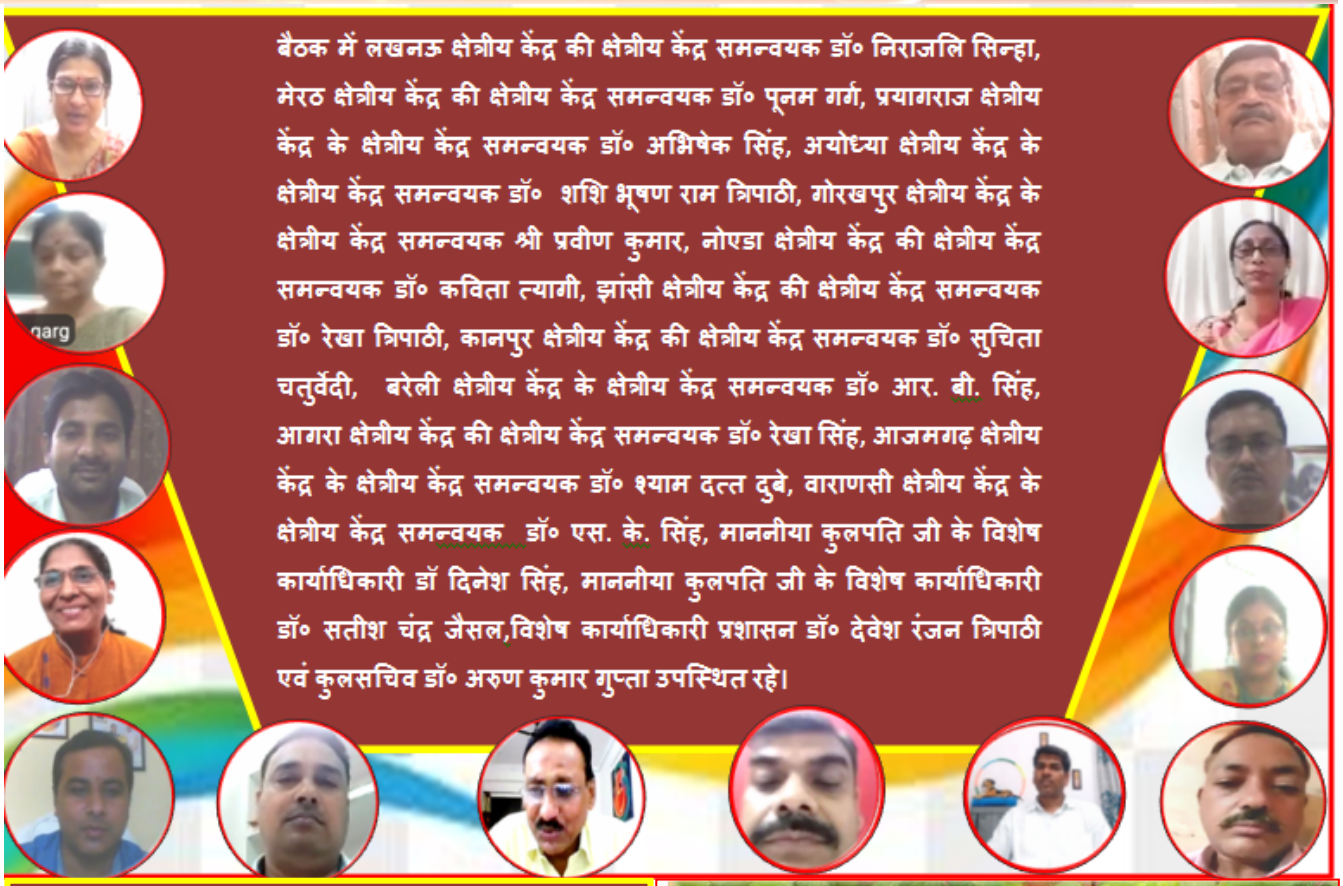

बैठक में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० निराजलि सिन्हा, मेरठ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० पूनम गर्ग, प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० अभिषेक सिंह, अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० शशि भूषण राम त्रिपाठी, गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक श्री प्रवीण कुमार, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० कविता त्यागी, झांसी क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० रेखा त्रिपाठी, कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० सुचिता चतुर्वेदी, बरेली क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० आर. बी. सिंह, आगरा क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० रेखा सिंह, आजमगढ़ क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० श्याम दत्त दुबे, वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० एस. के. सिंह, माननीया कुलपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह, माननीया कुलपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ० सतीश चंद्र जैसल,विशेष कार्याधिकारी प्रशासन डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी एवं कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

अधिन्यास व्यवस्था के संदर्भ में माननीया कुलपति महोदया जी ने स्पष्ट किया कि हम सभी एक ही परिवार हैं, सभी की समस्या हम सबके लिए एक है, और इसे सामूहिक प्रयत्न से ही निपटाना होगा। माननीया कुलपति जी ने अधिन्यास के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय के नियमानुसार जो छात्र अंतिम तिथि तक अधिन्यास जमा करेगा, वही छात्र अंतिम रूप से परीक्षा में बैठने के योग्य होगा तथा उन्हें ही विश्वविद्यालय एडमिट कार्ड जारी करेगा। इस नियम से सभी अध्ययन केंद्रों एवं छात्रों को अविलंब अवगत कराए जाने की आवश्यकता है। माननीया कुलपति महोदया ने इस नियम संबंधी सूचना को पुनः निर्गत करने के निर्देश कुलसचिव महोदय को दिए साथ ही सभी को स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय कैलेंडर के निर्माण का कार्य प्रारंभ है, जिससे आगामी तिथियों और महत्वपूर्ण कार्यों का स्पष्ट विवरण प्राप्त होगा। माननीया कुलपति महोदया ने यह भी बताया कि प्रश्नपत्र संरचना में परिवर्तन करते हुए आगामी परीक्षाएं एमसीक्यू पैटर्न पर अगस्त माह में संपादित की जाएगी।

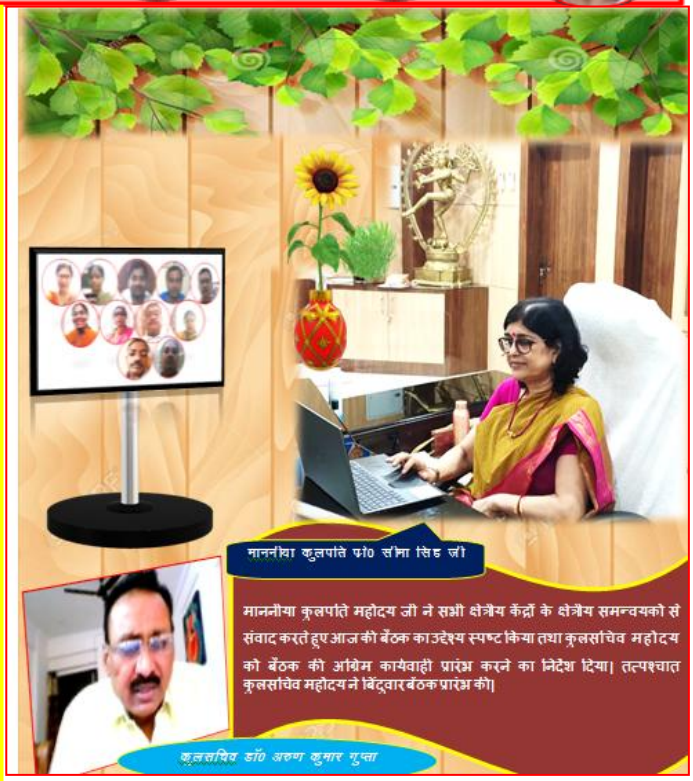

पीपल के वृक्ष रोपण कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई 2021 से 7 जुलाई 2021 के मध्य आयोजित करें -

माननीय कुलपति महोदय ने निर्देशित किया कि कानपुर बरेली तथा लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र जिनके पास अपने भवन हैं वह इसे बृहद रूप से क्रियान्वित करें शेष किसी ना किसी अध्ययन के नेटवर्क गांव को गोद लेकर वहां अधिकतम पीपल के वृक्ष रोपण कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई 2021 से 7 जुलाई 2021 के मध्य आयोजित करें तथा कार्यक्रम की फोटो संरक्षित करते हुए कुल सचिव एवं जनसंपर्क अधिकारी को अविलंब उपलब्ध कराए। उन्होंने सभी से यह भी अपेक्षा की कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार जनसंपर्क माध्यमों से किया जाए, जिसकी सूचना भी संदर्भ हेतु उपलब्ध कराई जाए, यथासंभव पीपल के पौधे स्वयं सेवी संस्थाओं से प्राप्त किए जाएं।

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

अंत में कुलसचिव महोदय ने माननीया कुलपति महोदया एवं सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए माननीया कुलपति महोदया की अनुमति से बैठक समाप्त करने की घोषणा की।

नैक द्वारा छात्रों एवं अध्ययन केंद्रों से फीडबैक प्राप्त करने के संबंध में

माननीया कुलपति महोदया ने सभी से अपेक्षा की कि वे अपने संबंधित अध्ययन केंद्रों से इस बिंदु पर चर्चा करें, जिससे वह अधिकतम छात्रों को इस प्रकार के आने वाले फीडबैक के लिंक की वैधता एवं उसका क्यों उत्तर दें, इसकी महत्ता बता सके। इसी क्रम में माननीया कुलपति महोदया ने सभी का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक छात्रों से सीधा संपर्क कर संवाद स्थापित करें, जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण त्वरित एवं समयबद् ढंग से किया जा सके, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान भी सुव्यवस्थित हो सकेगा एवं विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयां भी प्राप्त हो सकेंगी।

मुविवि में भारतीय दर्शन में योग विषय पर व्याख्यान

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 11 जून 2021 को **भारतीय दर्शन में योग**" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता अध्यक्ष अखिल भारतीय दर्शन परिषद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जटाशंकर जी रहे।

महर्षि पतञ्जलि का अष्टाङ्ग योग ही सर्वश्रेष्ठ है . प्रोफेसर जटाशंकर

प्रोफेसर जटाशंकर जी

मुख्य वक्ता अध्यक्ष अखिल भारतीय दर्शन परिषद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जटाशंकर जी ने कहा कि योग शब्द का प्रयोग अनेक अर्थों में हुआ है किन्तु महर्षि पतञ्जलि का अष्टाङ्ग योग ही सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय दर्शनों की दृष्टि समग्रतावादी है। यह प्रवृत्ति योग दर्शन में साफ दिखाई पड़ती है। इसीलिए महर्षि पतञ्जलि ने वाह्य से आन्तरिक संशोधन का मार्ग बताया है। पहले पर्यावरण का सुधार यम-नियम के द्वारा, फिर शरीर की पुष्टि आसन के द्वारा उसके बाद प्राण की पुष्टि प्राणायाम से और फिर ध्यान और समाधि तक कि यात्रा आत्मबोध कराती है। आज आसन आदि बहिरंग योग पर अधिक बल दिया जा रहा है किन्तु महर्षि पतञ्जलि के अष्टाङ्ग योग का प्रयोजन समाधि तक पहुंच कर स्व-रूप में स्थित होना ही है।

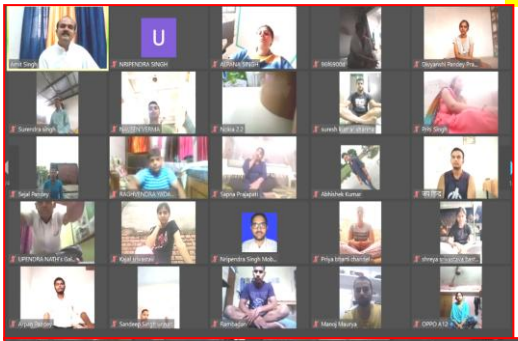

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग श्री अमित कुमार सिंह ने योगा आसन, व्यायाम, प्राणायाम के अभ्यासों एवं उनकी सावधानियों और लाभों के बारे में समझाया।

श्री अमित कुमार सिंह
आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग

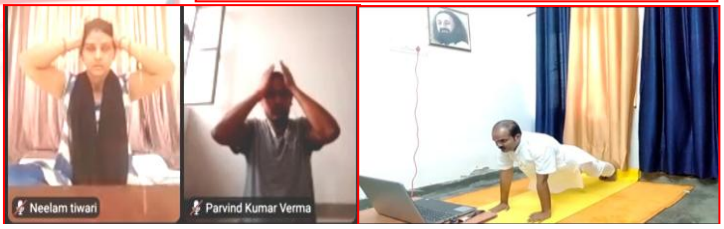

मुक्त विश्वविद्यालय में "आहार एवं पोषण के द्वारा शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 12 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 सुनीता मित्रा जी, विभागाध्यक्ष, फूड एवं न्यूट्रीशन, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा "आहार एवं पोषण के द्वारा शरीर में रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता का विकास" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर माननीय अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं धन्यवाद प्रो0 जी.एस शुक्ल, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा किया गया।

आहार एवं पोषण का उचित सम्मिश्रण जीवन में खुशहाली प्रदान करती है– प्रो0 सुनीता मित्रा

मुख्य वक्ता प्रो0 सुनीता मित्रा जी, विभागाध्यक्ष, फूड एवं न्यूट्रीशन, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ ने अपने वक्तव्य में Immuno Boosters विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला मनुष्य के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के भोज पदार्थों के महत्व का उन्होंने विस्तार से वर्णन किया साथ ही जीवन शैली एवं दैनिक चर्या के महत्व का शरीर के ऊपर पड़ने वाले प्रभाव और आहार से इसको जोड़ते हुए अनेक बिंदुओं पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि आहार एवं पोषण का उचित सम्मिश्रण एवं नियमित जीवन अनुशासन पद्धति मनुष्य के जीवन में स्वास्थ्य एवं खुशहाली प्रदान करती है

मुख्य वक्ता
प्रो0 सुनीता मित्रा जी

मुक्त विश्वविद्यालय में "प्राचीन काल से अद्यतन योग का विकास एवं महत्व" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पखवाड़ा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय **प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान** विद्याशाखा द्वारा **आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें** विश्वविद्यालय **के योग शिक्षक** श्री अमित कुमार सिंह, **सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत** विश्वविद्यालय **की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान** विद्याशाखा **के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 13 जून 2021 को** विश्वविद्यालय **के कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता द्वारा प्राचीन काल से अद्यतन योग का विकास एवं महत्व विषय पर व्याख्यान दिया गया।**

कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग श्री अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य वर्धक आसनों और प्राणायाम के बारे में बताया।

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

प्रारंभ में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने योग पखवाड़े के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा अतिथियों का स्वागत किया।

प्रो0 जी.एस. शुक्ल जी

आध्यात्मिक विज्ञान है योग- कुलसचिव

मुख्य वक्ता
डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता जी

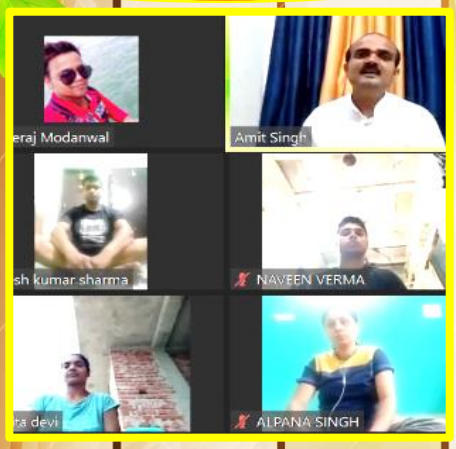

मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने प्राचीन काल से अद्यतन: योग का विकास एवं महत्व विषय पर ऑनलाइन उद्बोधन देते हुए कहा कि योग के आधार पर हम न केवल स्वस्थ जीवन एवं समाज का विकास कर सकते हैं बल्कि धर्म, आस्था एवं नस्लों के नाम पर बंटे मानव एवं राष्ट्रों में प्रेम एवं सहिष्णुता का प्रसार कर सकते है। डॉ गुप्ता ने बताया कि योग का तात्पर्य अपने अंदर निहित शक्तियों को विकसित करना और अपने अस्तित्व का प्रकृति एवं ब्रह्मांड से सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे हमारा मन और शरीर स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि यह एक आध्यात्मिक विज्ञान है जो हमें जीवन यापन की कला का बोध कराता है। डॉ गुप्ता ने योग के इतिहास और विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव को आदियोगी आदि गुरु माना जाता है। जिससे यह ज्ञान सप्तर्षियों को मिला। यह योग वैदिक काल में सामान्य जीवन का अंग बन गया। उपनिषदों, महाभारत और भगवतगीता में योग की विशद चर्चा की गई है। वैदिक काल में सूर्य प्रमुख देवता थे। इसी से सूर्य नमस्कार की योग परंपरा का प्रारंभ हुआ।

इसके बाद महर्षि पतंजलि ने योग को क्रमबद्ध रूप प्रदान किया तथा यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा ध्यान, समाधि का विस्तृत वर्णन किया। तत्पश्चात शंकराचार्य, रामानुजाचार्य ने इसे गति प्रदान की। डॉ गुप्ता ने कहा कि आधुनिक काल में रमन महर्षि, परमहंस योगानंद, स्वामी राम, श्री अरविंदो, स्वामी विवेकानंद, ओशो, बीकेएस अयंगर, श्री श्री रविशंकर एवं स्वामी रामदेव ने योग परंपरा को आगे बढ़ाया है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। इसे मान्यता दिलाने में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का योगदान अविस्मरणीय है।

प्रदेश के गांव-गांव तक ले जाएंगे योग प्रशिक्षण-कुलपति

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि आज हमें विश्वविद्यालय के प्रत्येक छात्र को योग में प्रशिक्षित करने का संकल्प लेना होगा। इसी संकल्पना को साकार करने के लिए विश्वविद्यालय ने 7 से 21 जून तक योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन किया है, जिसमें योग विशेषज्ञों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण का लाभ शिक्षार्थियों को मिल रहा है। माननीया कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि हमें अपने योग प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश के गांव-गांव तक पहुंचाना है।

योग पखवाड़ा

मुक्त विश्वविद्यालय में "कर्म योग" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पखवाड़ा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 14 जून 2021 को योग प्रशिक्षक श्री योगेंद्र सिंह योगी, मास्टर ट्रेनर आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलु द्वारा कर्म योग विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

योग आत्मा का परमात्मा से मिलन है .

मुख्य वक्ता
श्री योगेंद्र सिंह योगी जी

योग प्रशिक्षक श्री योगेंद्र सिंह योगी ने कर्म योग पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हम सब कर्म के बिना नहीं रह सकते योग आत्मा का परमात्मा से मिलन है। उन्होंने कहा कि अगर अंदर शांति है, तो बाहर क्रांति कर सकते हैं। आंतरिक शांति है, बाहर क्रांति ला सकती हैं, जो दुविधा में हैं, वह कुछ नहीं कर सकते। आज युवक पूरे विश्व में प्रचलित है। श्री योगी ने कहा कि समाज में कुछ अच्छा करने की आवश्यकता है। हमें यह समझना चाहिए कि अपने जीवन में कर्म योग कैसे लाएं। हम जो भी कर्म करें उसे प्रसन्नता से करें। समाज में हर व्यक्ति की अलग अलग भूमिका है। शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्रदान करना सकारात्मक परिवर्तन का द्योतक है, और यही कर्म योग है । शिक्षक को यह समझना चाहिए कि विद्यार्थी के जीवन में कुशलता आये, यही कर्मयोगी की पहचान है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह आज ऐसा काम करें, जिससे समाज का लाभ हो, समाज में जिसे जिस तरह की भूमिका मिली है, उसे प्रेम से करने से अच्छे समाज का निर्माण होता है। श्री योगी ने कहा कि योग एवं शिविरों के माध्यम से युवाओं तक पहुंचना हमारा दायित्व है। ध्यान एवं सेवा के माध्यम से आगे बढ़ा जा सकता है।

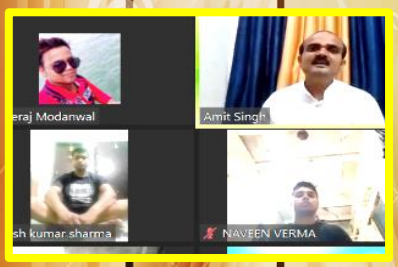

परीक्षा समिति की 32वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 32वीं बैठक दिनांक 14 जून, 2021 को अपराह्न 3:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो0 सीमा जी ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

माननीया कुलपति
प्रो॰ सीमा सिंह जी

परीक्षा समिति की बैठक

माननीया कुलपति
प्रो॰ सीमा सिंह जी

बैठक में विश्वविद्यालय के प्रो0 ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, डॉ0 संजय सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 दिनेश सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा एवं श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

मुक्त विश्वविद्यालय में "योग से अभय" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 15 जून 2021 को योग प्रशिक्षक एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री अनिल कुमार जी अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा "योग से अभय" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

अनिश्चितता में है जीवन का सौंदर्य- अपर मुख्य सचिव

मुख्य वक्ता
श्री अनिल कुमार जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने योग से अभय विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि पूर्वाग्रह से रहित एवं भयमुक्त मन ही जीवन के सौंदर्य को निखारता है।

90 प्रतिशत डर भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए होता है। हमें यह समझना चाहिए कि जो घटना हुई नहीं उसके लिए डर कैसा। डर भूतकाल और वर्तमान का नहीं होता। डर केवल अनिश्चितता का है। भविष्य की आशंका का है।

अपर प्रमुख सचिव श्री कुमार ने कहा कि वर्तमान में हम जो कर्म कर रहे हैं, उससे डर का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में अनिश्चितता ना हो तो यह जीवन मशीन हो जाएगा। आनंद इसी में है कि भविष्य में अनिश्चितता है। जीवन का सौंदर्य अनिश्चितता में है। योग से जीवन में अभय की स्थिति आती है और क्षमता प्रस्फुटित होती है। जीवन में स्वतंत्रता का आनंद अनुभव होता है।

उन्होंने प्रतिभागियों को योग की कई विधाओं से अवगत कराया। श्री कुमार ने प्रतिभागियों के मन से डर को दूर भगाने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी किया।

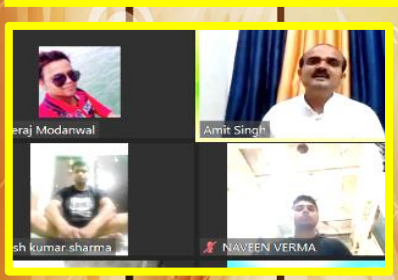

माननीया कुलपति
प्रो॰ सीमा सिंह जी

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना अमूल्य समय देकर न केवल विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है बल्कि विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी उनके प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रो0 जी.एस. शुक्ल जी

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 गिरजा शंकर शुक्ल ने अपर प्रमुख सचिव श्री अनिल कुमार का स्वागत किया। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि उनके उद्बोधन से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि 5 अन्य राज्यों के प्रतिभागी लाभान्वित हुए। प्रो0 शुक्ल ने कहा कि सीटें फुल होने की वजह से ऑनलाइन प्रशिक्षण में जो प्रतिभागी आज प्रतिभाग नहीं कर सके हैं, प्रतीक्षा सूची में रखे गए ऐसे शिक्षार्थियों के लिए अपर मुख्य सचिव श्री कुमार का व्याख्यान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कल पुनः आयोजित किया गया है।

श्री अमित कुमार सिंह

योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह ने प्रतिभागियों की तरफ से योग प्रशिक्षक अपर मुख्य सचिव श्री कुमार का स्वागत किया।

- मुक्त विश्वविद्यालय महिलाओं को पढ़ाएगा शिक्षा स्वास्थ्य स्वाभिमान का पाठ
- राज्यपाल के निर्देश पर कुलपति ने की महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना
- प्रो रुचि बाजपेई बनीं समन्वयक

माननीया राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। यह केंद्र बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन एवं तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित करेगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि महिला अध्ययन केंद्र राज्य एवं केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाएगा।

माननीया कुलपति
प्रो० सीमा सिंह जी

महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना

प्रो सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित हुए महिला अध्ययन केंद्र का उद्देश्य महिला जगत को विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्रदान करना है। इसके बारे में उन्हें पर्याप्त जानकारी और व्यावहारिकता से अवगत कराया जाएगा ।

उन्होंने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से समाज में महिलाओं के विरुद्ध व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से उन्हें सजग किया जाएगा तथा सफल महिलाओं के जीवन दर्शन के बारे में उन्हें बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास होगा कि वह गांव में कार्यशाला संचालित करेगा तथा महिला सुरक्षा समिति का गठन करके महिलाओं के अंदर सुरक्षा का भाव जागृत करेगा।

कुलपति ने बताया कि इस केंद्र का प्रमुख फोकस गांव की महिलाओं के अंदर से झिझक दूर करना है। जिससे वे समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे पर्दा प्रथा एवं दहेज के खिलाफ आवाज उठा सकें। बेटियों को पढ़ाने तथा उन्हें घर से बाहर निकलने देने के लिए उनके माता-पिता को प्रेरित किया जाएगा। बेटियों का भविष्य संवारने के लिए केंद्र के सदस्य घर की महिलाओं के साथ घुलमिल कर उनका विश्वास जीतने का प्रयास करेंगे।

प्रो सिंह ने बताया कि नवगठित महिला अध्ययन केंद्र वर्ष भर महिलाओं के विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का प्रमुखता से समाधान किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा का भी सहयोग लिया जाएगा। बच्चों को पोषण युक्त आहार की सुनिश्चितता के लिए भी यह केंद्र जागरूकता अभियान चलाएगा। यह केंद्र महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों के बारे में भी उन्हें जानकारी सुलभ कराएगा।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना कर प्रोफेसर रुचि बाजपेई को समन्वयक, डॉ मीरा पाल को सह समन्वयक, तथा डॉ साधना श्रीवास्तव को सहायक समन्वयक बनाया है। महिला अध्ययन केंद्र नवगठित समिति की बैठक करके आगामी कार्यक्रमों की योजनाओं की रिपोर्ट शीघ्र ही कुलपति को सौंपेगा। डॉ मिश्र ने बताया कि केंद्र की मासिक गतिविधियों की रिपोर्ट राज्यपाल सचिवालय को भी प्रेषित की जाएगी।

मुक्त विश्वविद्यालय में "योग: कर्मसु कौशलम्" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 16 जून 2021 को योग प्रशिक्षक एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री अनिल कुमार जी अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा "योग: कर्मसु कौशलम्" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

कर्मयोग जीवन जीने की एवं विभिन्न विधाओं के समग्र संपादन का मूल है - अपर मुख्य सचिव

मुख्य वक्ता
श्री अनिल कुमार जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने कहा कि जीवन में कर्म योग से ही मनुष्य को अपने अभीष्ट की प्राप्ति हो सकती है कर्म के बिना उद्देश्य पूर्ण जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती समाज राष्ट्र और पूरा विश्व कर्म योगियों को बड़े आदर के साथ महत्वपूर्ण स्थान देता है उन्होंने कहा कि कर्मयोग जीवन जीने की एवं विभिन्न विधाओं के समग्र संपादन का मूल है कर्मियों के द्वारा भारत भूमि पर विभिन्न महापुरुषों ने संपूर्ण विश्व में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं जो सर्व मौलिक एवं सर्व कालीन है।

उन्होंने प्रतिभागियों को योग की कई विधाओं से अवगत कराया।

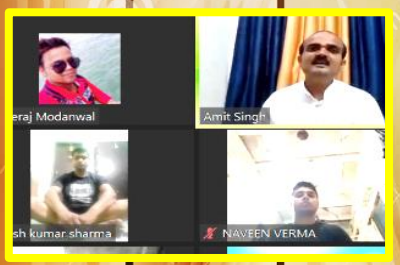

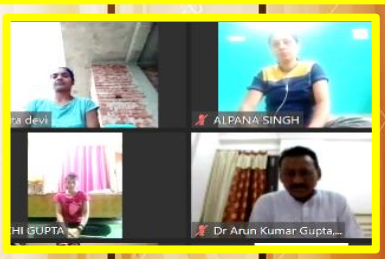

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना अमूल्य समय देकर न केवल विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है बल्कि विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी उनके प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं।

माननीया कुलपति
प्रो० सीमा सिंह जी

प्रो0 जी.एस. शुक्ल जी

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने किया। उन्होंने समस्त जन समुदाय को कर्म योग के प्रति जागृत करने हेतु युवाओं से अभियान चलाने हेतु आग्रह किया साथ ही भारत के सभी प्रधानमंत्री के स्टार्टअप योजना में कर्म योग के महत्व पर प्रकाश डाला। जिससे राष्ट्र स्वालंबन के पथ पर अग्रसर हो सके।

श्री अमित कुमार सिंह

योग परामर्शदाता श्री अमित कुमार सिंह ने प्रतिभागियों की तरफ से योग प्रशिक्षक अपर मुख्य सचिव श्री कुमार का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक संपन्न

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

प्रो॰ सीमा सिंह
कुलपति

उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने आज दिनांक 16 जून 2021 को राजभवन से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह, वित्त अधिकारी (चार्ज) प्रो॰ ओमजी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी, प्रो॰ रुचि बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

प्रस्तुतीकरण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

विश्वविद्यालय में डिजिटल लॉकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

वित्तीय नियमों का अक्षरश: पालन करें

महालेखाकार की आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण हो

महिला सशक्तीकरण पर अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये जाए

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा करते हुए माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर राजभवन सचिवालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शासन द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं पारदिर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया अपनाई जाए तथा विज्ञापन में संपूर्ण चयन प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख हो। उन्होंने निर्देश दिए कि महालेखाकार की आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण हो तथा लंबित समस्त डिग्री प्रमाण-पत्रों को यथाशीघ्र विद्यार्थियों के पते पर भेजना सुनिश्चित करें साथ ही लंबित प्रमाण-पत्रों की सूचना अपनी वेबसाइट पर भी डालें। विश्वविद्यालय में डिजिटल लॉकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। माननीय राज्यपाल जी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय राज्य विश्वविद्यालयों के साथ ए.एम.यू. करके वहां पर अपने अध्ययन केंद्र बनाए ताकि छात्रों को सहूलियत हो सके।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

प्रो॰ सीमा सिंह
कुलपति

माननीया राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केंद्र की समीक्षा करते हुए महिला सशक्तीकरण पर अधिक से अधिक कार्यक्रम किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि महिला जागरूकता के लिए विश्वविद्यालय गोष्ठी एवं सेमिनार आदि आयोजित करें, जिसमें नवनिर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को भी शामिल करते हुए उन्हें सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दें। इसके साथ ही आंगनबाडी केंद्रों को सहयोग देते हुए कुपोषित बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा क्षय रोग ग्रसित बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु ग्राम प्रधानों को प्रेरित करें, ताकि इस प्रकार के समस्याओं से उनकी ग्राम सभा मुक्त हो सके। माननीया कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने बच्चों को विभिन्न गोष्ठियों व सेमिनार में बोलने के लिए भी तैयार करें ताकि वे विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को लोगों के समक्ष प्रभावी ढंग से रख सकें, जिससे दहेज प्रथा, लड़का-लड़की में भेद जैसी कुरीतियों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को नारी निकेतन, जेल, अस्पताल आज का भी भ्रमण कराये ताकि वह वहां के अनुभव को जानकर अपने आने वाले समय में विभिन्न बुराइयों से बच सकें।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

प्रो॰ सीमा सिंह
कुलपति

माननीया कुलाधिपति जी ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि वे अपने सभी कर्मियों, उनके परिजनों तथा छात्रों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करायें साथ ही योग दिवस तथा वृहद वृक्षारोपण के लिए भी अपनी तैयारी करें। उन्होंने सुझाव दिया कि उचित होगा कि अधिक से अधिक पीपल के वृक्ष लगाये जाय।

ऑनलाइन समीक्षा बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह, वित्त अधिकारी (चार्ज) प्रो॰ ओमजी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी, प्रो॰ रुचि बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता

उतिष्ठत् जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत्

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान समारोह

'पाथेय'

मुख्य अतिथि — प्रो0 सीमा सिंह (मा0 कुलपति)

गरिमामयी उपस्थिति- डा0 अरूण कुमार गुप्ता (कुल सचिव)
श्री अजय कुमार सिंह (वित्त अधिकारी)

परीक्षा विभाग : दिनांक 16 जून 2021

परीक्षा विभाग परिवार आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में दिनांक 16 जून, 2021 को **'पाथेय'** कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी रहीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता जी थे। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये इस कार्यक्रम को कराने का आशय स्पष्ट किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रोग्राम के अन्तर्गत श्री परमानन्द उपाध्याय द्वारा लोकगीत व ठुमरी, श्रीमती पूर्णिमा भट्टाचार्या व श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी ने काव्यपाठ तथा श्री ईश्वरनाथ विश्वकर्मा ने लोकगीत का गायन किया।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घटन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारी श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी तथा मंचासीन मा0 अतिथिगण एवं कुलगीत प्रस्तुत करती हुई परीक्षा विभाग की कर्मचारीगण।

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने परीक्षा विभाग के कर्मचारियों के समर्पण तथा कठोर परिश्रम की विस्तृत चर्चा की। इसके अतिरिक्त परीक्षा कार्य में आने वाली कठिनाईयों से भी मुख्य अतिथि को अवगत कराया।

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों

को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

तथा साथ में कुलसचिव अरूण कुमार गुप्ता एवं परीक्षा नियंत्राक श्री डी.पी. सिंह।

कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित कर्मचारियों के सम्मान एवं कार्यशीलता को प्रोत्साहन देने के कार्यक्रम 'पाथेय' के लिये परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह की प्रशंसा की और कहा कि अच्छे नेतृत्व में ही उत्तम कार्य होते हैं। उन्होंने कुलपति महोदया प्रो0 सीमा सिंह के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिसके नेतृत्व एवं संरक्षक में विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में सकारात्मक आमूलचूल परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहा है।

डॉ0 गुप्ता ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपका सकारात्मक दृष्टिकोण अपने अन्दर एक लगन, निष्ठा, आत्मियता पैदा करता है जिससे प्रेरित होकर आप बिना थके अपनी शक्ति और ऊर्जा का शत प्रतिशत उपयोग करते है जिसका लाभ पूरी संस्था को मिलता है। उन्होंने परीक्षा विभाग और सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी इस आयोजन से अत्यन्त प्रसन्न हुई। उन्होंने अपने उद्बोधन में परीक्षा विभाग व परीक्षा नियंत्रक से उपेक्षा की कि विश्वविद्यालय के अन्य विभागों को भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रेरित करें। मा0 कुलपति महोदया मुक्त कंठ से परीक्षा विभा के कर्मचारियों की प्रशंसा की तथा उन्हें आगे भी ऐसे ही कार्य करने के लिए उत्साहित किया। मा0 कुलपति महोदया ने इस आयोजन के प्रेरणास्रोत व विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए कुशल प्रशासक बताया।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई श्रीमती सीमा सिंह, प्रोग्रामर, ईडीपी सेल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

राष्ट्रगान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी
के
साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

मुक्त विश्वविद्यालय में “योग के नैतिक आयाम” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 17 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ अतुल कुमार मिश्रा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा "योग के नैतिक आयाम" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग श्री अमित कुमार सिंह ने योगा आसन, व्यायाम, प्राणायाम के अभ्यासों एवं उनकी सावधानियों और लाभों के बारे में समझाया।

दूसरों का कल्याण करना ही सर्वोत्तम मानव सेवा हो सकती है - डॉ अतुल कुमार मिश्रा

मुख्य वक्ता
डॉ अतुल कुमार मिश्रा जी

डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने कहा कि आज हम लोग इस बात की चर्चा करेंगे कि योग की पद्धति अपनाने पर किस तरह से व्यक्तिगत और सार्वजनिक रूप से नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है जिसके आधार पर व्यक्तिगत तौर पर ही नहीं वैश्विक स्तर पर शांति सौहार्द की स्थापना की जा सकती है, अभी तक योग दर्शन में वर्णित अष्टांग मार्ग में यम और नियम को ही सदाचार का आधार माना जाता रहा है जहां पर यह सत्य, अहिंसा, अस्तेय ,अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के माध्यम से कुछ कार्यों को न करने का निषेध करता है वही अष्टांग मार्ग का दूसरा नियम सदाचरण अर्थात अच्छे कामों को करने के लिए प्रेरित करता है जिसके अंतर्गत शौच, संतोष, तप स्वाध्याय एवं ईश्वर प्राणी धान आते हैं,योग का नैतिक संदेश यही तक नहीं है, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा,ध्यान समाधि तक पहुंचने पर साधक को आत्मा का शरीर से अलग होने की अनुमति होती है, यही यथार्थ में आध्यात्मिकता है जिससे सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों अहिंसा, सर्वे भवंतु सुखिनः, वसुधैव कुटुंबकम् आदि का जन्म होता है, भारतीय दार्शनिक परंपरा में माना जाता है कि आत्मा के स्तर पर हम सभी समान है,हम सब एक हैं, जो तुम हो वह मैं हूं, इसलिए तुम्हें कष्ट होगा तो मुझे होगा इसी से अहिंसा और सर्वकल्याण की धारणा बनती है, चूंकि हम सभी एक ही आत्मतत्व हैं, इसलिए संपूर्ण विश्व एक परिवार है

समसामयिक दौर के श्रेष्ठ विचारकों में सम्मिलित और 'सेपियंस' किताब के लेखक युवा नोवा हरारी अपनी बौद्धिक क्षमता के विकास का श्रेय ध्यान प्रक्रिया को मानते हैं वही 'द प्राइस ऑफ स्लोनेस' के लेखक और पुलित्जर पुरस्कार विजेता कार्ल ऑनरे ने सुखमय जीवन का आधार ध्यान पद्धति को बताया है और इसके साथ हाल ही में चले एक लंबे शोध में नेशनल ज्योग्राफिकल चैनल ने निष्कर्ष निकाला कि बागवानी, जिम की अपेक्षा योग की प्रक्रिया डिप्रेशन या तनाव को कम करने में सर्वाधिक कारगर है तथापि यहां मैं कहना चाहता हूं कि अभी तक हम सभी लोग सहयोग के ध्यान के महत्व को समझ पाए हैं इससे आगे बढ़कर जब उसके समाधि की या को समझेंगे और आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करेंगे तब जो नैतिक मूल्य विकसित होते हैं उससे संपूर्ण मानवता का भला होता है, 'वर्ल्ड इकोनामिक फोरम'ने विश्व के सामने तीन प्रमुख चुनौतियों को बताया है पहला, अमीरी गरीबी में बढ़ती खाई दूसरा, अकेलापन और तीसरा, पर्यावरण असंतुलन | यदि ध्यान से देखा जाए तो योग का नैतिक आयाम है इन तीन समस्याओं को सुलझाने में ,चुनौतियों को कम करने में मदद कर सकता है ,जैसा कि ऊपर मैंने बताया कि अकेलेपन से निपटने का सबसे अच्छा तरीका योग को माना जाता है अगर योग के साथ पूरे आसनों को जोड़ लिया जाए और चिंतन पद्धति को सम्मिलित कर ले तो अकेलापन दूर किया जा सकता है , पुनः योग की पूरी चिंतन पद्धति पर्यावरण सह- अस्तित्व आधारित है इसलिए यह पर्यावरण के संकट में सहायता कर सकते हैं जहां तक बात है अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई -इसके लिए अगर योग की जो समाधि की अवस्था में अगर धीरे-धीरे विचारक इस बात को महसूस करने लगेंगे हम सब एक ही समान स्तर पर चेतना है या एक ही आत्म स्वरूप तत्व हैं तो शायद एक दूसरे को दर्द को समझा जा सकता है, आज आवश्यकता है योग को संपूर्ण रूप में स्वीकार करने की, यह स्वास्थ्यवर्धक है- यह तो सबको पता है तथापि योग की आध्यात्मिकता धीरे-धीरे संपूर्ण मानवता में अहिंसा सर्वे भवंतु सुखिनः वसुधैव कुटुंबकम अस्तित्व जैसे मूल्यों को आत्मसात कराने में मददगार हो सकती है ,इतना ही नहीं योग की जो चिंतन प्रक्रिया है वह पूरी दुनिया में बढ़ रहे उपभोक्तावाद से भी दुनिया को मुक्त करने में सहयोग कर सकती है, स्वामी विवेकानंद ने इसी आत्म तत्व को स्वीकार करते हुए मनुष्य की सर्वोत्तम पूजा 'दरिद्र नारायण' की सेवा स्वीकार किया है, उनके अनुसार हम सब एक ही आत्म तत्व हैं और आत्मा ही ईश्वर है इसलिए दूसरों का कल्याण करना ही सर्वोत्तम मानव सेवा हो सकती है, अंग्रेजी साहित्यकार रस्किन बांड से पूछा गया कि भारत में कौन सी एक ऐसी विशेषता है जो आपको पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलती है, तो उनका उनका उत्तर था कि भारत की आध्यात्मिकता। यहां का बच्चा-बच्चा आत्मा के अस्तित्व पर विश्वास करता है उन्होंने उदाहरण दिया -एक बार वह मसूरी के पहाड़ों से नीचे उतर रहे थे एक छोटी बच्ची एक मैमने से खेल रही थी, मैंने उस छोटी बच्ची से पूछा यह मैंमना कौन है ? उसने उत्तर दिया कि यह पिछले जन्म में हमारा रिश्तेदार था। रस्किन कहते हैं यहां बच्चा-बच्चा पुनर्जन्म और आत्मा के अस्तित्व पर विश्वास करता है यही वह आशावादी संदेश है जो पूरी दुनिया में एक समानता और बंधुत्व लाने में कारगर हो सकता है,

आशा करता हूं कि धीरे-धीरे विश्व योग को स्वीकार करते हुए उसके नैतिक पक्षों को भी आत्मसात कर सकेगा तो फिर इसी से उम्मीद बनती है कि आने वाला पूरा मानव भविष्य सुरक्षित हो और सुख में हो सकेगा

विद्या परिषद् की 66वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 66वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

विद्या परिषद के अपनी प्रथम बैठक में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

विद्या परिषद की बैठक

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन.के. राना, भूगोल विभाग, बी. एच.यू. वाराणसी, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य, (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्राक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्य परिषद् की 118वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 118वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

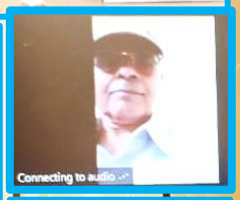

कार्यपरिषद के अपनी प्रथम बैठक में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

कार्य परिषद की बैठक

माननीया कुलपति
प्रो० सीमा सिंह जी

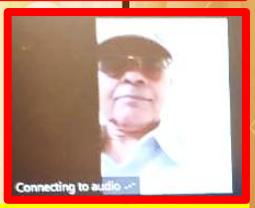

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित

बैठक में प्रो० निर्मला एस. मौर्या, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो० राजेन्द्र प्रसाद दास, प्रतिकुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ० गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, डॉ० ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्ध्न अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो० सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० आनन्दा नन्द त्रिापाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ० दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ० अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को दोपहर 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी प्रो0 रूचि बाजपेयी, डॉ0 श्रति, डॉ0 मीरा पाल, डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं निदेशकए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल उपस्थित रहें।

महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित

दिनांक 17 जून 2021 को महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों के साथ माननीया कुलपति] प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने बैठक की तथा माननीया राज्यपाल] उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा महिलाओं] बालिकाओं एवं क्षय रोग से ग्रस्त बालिकाओं तथा झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों वाले ऐसे बालक एवं बालिकाएं जो कुपोषित हो] उनके उत्तम भविष्य के लिए माननीया राज्यपाल] उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा जो अमूल्य निर्देश दिए गए हैं उसको साकार एवं मूर्त रूप देने के लिए महिला अध्ययन केंद्र के सभी सदस्यों को निर्देशित किया कि माननीया राज्यपाल] उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया के निर्देश एवं इच्छा का यथाशीघ्र सम्मान कार्यों के क्रियान्वयन से ही पूर्ण किया जा सकता है। अतः आप लोग इस दिशा में यथाशीघ्र योजना बनाकर माह जून में ऐसे अपेक्षित महिलाओं] कुपोषित बालक&बालिकाओं एवं क्षय रोग से संबंधित बच्चों के भविष्य निर्माण हेतु यथाशीघ्र कम से कम तीन से चार कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करें। गांव स्तर पर इसके निमित्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं महिला ग्राम प्रधानों को सरकार की तरफ से जो भी योजनाएं एवं सुविधाएं उनके लिए दिए गए हैं उसके प्रति उन्हें जागरूक करना] जिससे वे अपने अधिकार के प्रति जागरूक होकर इस योजना का पूर्ण लाभ उठा सकें।

मुक्त विश्वविद्यालय में “नई शिक्षा नीति और योग” विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 18 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता राज्य तकनीकी शिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी द्वारा "नई शिक्षा नीति और योग" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

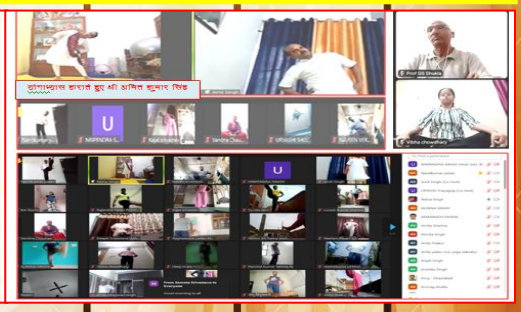

शिक्षक योगभ्यासी होकर स्वस्थ परम्परा का संवाहक बन सकता है - ललिता प्रदीप

मुख्य वक्ता
सुश्री ललिता प्रदीप जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज राज्य तकनीकी शिक्षण संस्थान, (SIET) उत्तर प्रदेश की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने व्याख्यान देते हुए कहा कि योग जीवन में श्रेष्ठता और पूर्णता का भाव प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने कहा कि योग की शिक्षा को बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु औपचारिक शिक्षा का अंग बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की समृद्ध विरासत को 21वीं शती की आवश्यकताओं से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि योग को शारीरिक शिक्षा में समाहित किया गया है। शिक्षक योगभ्यासी होकर स्वस्थ परम्परा का संवाहक बन सकता है। सूक्ष्म व्यायाम/योग को कक्षा कक्ष में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योग के छात्रों के पास रोजगार की अपार संभावनाएं भी होती हैं। योग्य प्रशिक्षुओं को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

विश्वविद्यालय को अपने योग के प्रशिक्षित छात्रों को स्कूलों में intern की तरह भेजना चाहिए। सुश्री प्रदीप ने Be with Yoga, Be at Home" संदेश के साथ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की थीम और शुभकामनाएं दी।

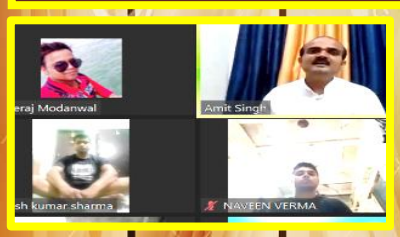

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

द्वारा आयोजित ऑनलाइन

सप्तम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

एवं

योग पखवाड़ा समापन समारोह

मुख्य अतिथि

श्री अनिल कुमार
आई.ए.एस.
अपर मुख्य सचिव, होमगार्डस विभाग
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

अध्यक्षा

प्रो० सीमा सिंह
कुलपति
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

समन्वयक
प्रो. (डॉ.) जी. एस. शुक्ला
निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

आयोजन सचिव
श्री अमित सिंह
शैक्षणिक परामर्शदाता योग
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

उत्तरापेक्षी
डॉ. अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

?

मुक्त विश्वविद्याय में हुआ योग पखवाड़े का समापन

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

तनाव मुक्ति का रामबाण इलाज है योग- प्रोफेसर सीमा सिंह

योग विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निदान का रामबाण इलाज है। कोरोना काल में तनाव मुक्त करने की प्रक्रिया योग है। योग उन सारे द्वारों को खोल देता है जो हमें आनंद की ओर ले जाते हैं।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन योग प्रशिक्षण पखवाड़े के समापन समारोह में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि योग व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संपूर्णता की ओर ले जाने में योग की क्रमबद्ध श्रृंखला है। योग से जहां सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित होते हैं वही यह हमें प्रसन्नता की ओर ले जाता है। आनंद की अनुभूति, सकारात्मकता तथा रचनात्मकता हमें योग से ही प्राप्त होती है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एक पखवाड़े तक प्रशिक्षण ले रहे योग शिक्षार्थियों से कहा कि वह योग को जीवन का हिस्सा बनाएं, जीवनशैली बनाएं, जीवन की पद्धति बनाएं, इसे अपने जीवन में अपनाएं, तराशें और फिर आनंदित हो जाएं। उन्होंने कहा कि योग वह प्रकाश और ज्योति है, जिसको अगर जला दिया जाए तो फिर वह कमजोर नहीं पड़ती। योग स्वयं से जुड़ने में और स्वयं को खोजने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मन का विचारशून्य अवस्था में पहुंचना ही योग है- अपर मुख्य सचिव

समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने कहा कि योग वर्तमान में जीने की कला सिखाने वाली संस्कृति है। योग से ही जीवन में आनंद का सृजन होता है। योगाभ्यास से नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। श्री कुमार ने कहा कि योग हमें भूतकाल की स्मृतियों और भविष्य की आशंकाओं से मुक्त करता है। मन का विचारशून्य अवस्था में पहुंचना ही योग है।

अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार जी

प्रोफेसर जी एस शुक्ला

मुख्य अतिथि का स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ला ने किया। उन्होंने समस्त जन समुदाय को कर्म योग के प्रति जागृत करने हेतु युवाओं से अभियान चलाने हेतु आग्रह किया साथ ही भारत के सभी प्रधानमंत्री के स्टार्टअप योजना में कर्म योग के महत्व पर प्रकाश डाला। जिससे राष्ट्र स्वालंबन के पथ पर अग्रसर हो सके।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए
कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता

प्रोफेसर जी एस शुक्ला

एक पखवाड़े तक चले योग प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के योग परामर्शदाता श्री अमित सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को योगाभ्यास कराया। विश्वविद्यालय के इस ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 15 दिनों तक कई विद्वानों ने योग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रतिभागियों को दी।

मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

विश्व योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उत्तर प्रदेश में स्थित समस्त क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों एवं छात्र छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर योगाभ्यास करके विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को प्रोत्साहित किया।

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा एवं आजमगढ़

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी एवं आजमगढ़ के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 श्याम दत्त दुबेयोगाभ्यास करते हुए।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

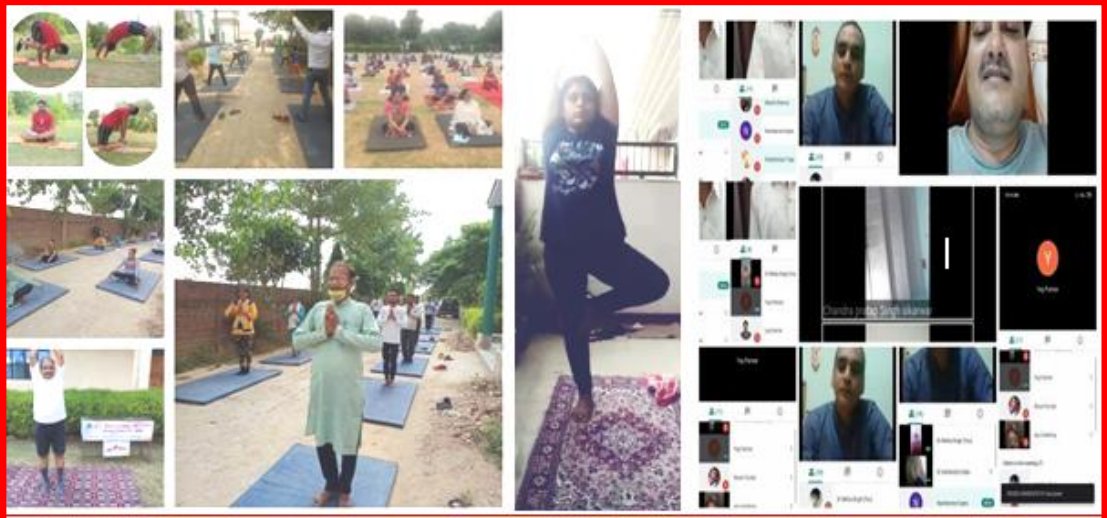

7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र आगरा के अंतर्गत आने वालेS-1460,S-1493,S-350,S-1655,S-1459,S-1566 आदि अध्धयन केन्द्रो पर COVID-19 का दिशा निर्देशन का पालन करते हुए योग दिवस मनाया । क्षेत्रीय कार्यालय आगरा पर ऑनलाइन व्याख्यान "योग ही जीवन का मूलाधार " का आयोजन हुआ जिसका संचालन डॉ रेखा सिंह क्षेत्रीय समन्यवक आगरा के किया , जिसके मुख्य अतिथि डॉ नीलम सिंह चिकित्सा पदाधिकारी (आयुष)प्रखंड रामपुर कैमूर तथा प्रमुख वक्ता डॉ पी एस कुमार चिकित्सा पदाधिकारी (आयुष)प्रखंड रामपुर कैमूर रहे ।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह तथा अध्ययन केन्द्रो के छात्र, शिक्षक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण योगाभ्यास करते हुए ।

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी.सिंह तथा अध्ययन केन्द्रो के छात्र, शिक्षक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण योगाभ्यास करते हुए ।

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह तथा अध्ययन केन्द्रो के छात्र, शिक्षक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण योगाभ्यास करते हुए ।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी तथा अध्ययन केन्द्रो के छात्र, शिक्षक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण योगाभ्यास करते हुए ।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 निराजंलि सिन्हा, शैक्षणिक परामर्शदाता डॉ0 अलका वर्मा तथा कर्मचारीगण योगाभ्यास करते हुए ।

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी तथा अध्ययन केन्द्रो के छात्र, शिक्षक एवं अध्ययन केन्द्र समन्वयकगण योगाभ्यास करते हुए ।

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित हुआ ऑनलाइन व्याख्यान।

लखनऊ - सोमवार को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर "तन मन को सशक्त बनाये योग" विषय पर डॉ एस के अवस्थी ,up state Ayush society लखनऊ
एवम श्री अंजनी कुमार दुबे
वरिष्ठ संपादक ,ग्लोबल ह केंपस ,ने बहुत ही प्रेणादायक व ज्ञानवर्धक विचार प्रस्तुत किये। डॉ शशीकान्त अवस्थी ने तन मन को शुद्ध रखने के लिए योग करने पर बल दिया। संयम के साथ जीवन पथ पर चलते हुए अन्त:करण में शान्ति व संतोष का उन्नयन करने पर प्रकाश डाला। अन्तरमुखी व बहिर्मुखी वृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए भारतीय दर्शन में योग की महत्ता को बताया।
तदुपरान्त श्री अंजनी कुमार दुबे ने कहा योग कितना भी सीखा जाए कम है। तन मन को सशक्त बनाएं जीवन में योग अपनाएं का नारा दिया। चित्त की वृत्तियों को वश में करने के लिए अष्टांग योग को शांत मन से करने के साथ, खुले स्थान में व हो सके तो पीपल के वृक्ष के नीचे योग करने की सलाह दी। योग का अभ्यास ऐसे गुरु से प्राप्त करने पर बल दिया जिसमे स्वालंबन व स्वाध्याय हो।योग को शिव शक्ति बताया और ब्राम्हीस्वरूप का ज्ञान दिया।

माननीया कुलपति महोदया प्रो सीमा सिंह ,उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की प्रेरणा व
विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के डायरेक्टर व लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी प्रो ओम जी गुप्ता के मार्गदर्शन एवम निर्देशन में इस व्याख्यान का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम का प्रारम्भ क्षेत्रीय समन्वयक डॉ नीरांजली सिनहा ने प्रमुख वक्ताओं ,अतिथियॉ , अध्ययन केंद समन्वयकों व शिक्षार्थियों का स्वागत करते हुए किया। योग विषय के व्याख्यान में आजमगढ़ क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ श्याम दत्त दुबे , आगरा क्षेत्रीय केंद्र की समन्वयक डॉ रेखा सिंह, महावीर प्रसाद महिला कॉलेज की प्राचार्या डॉ विजया रानी वर्मा, अमेठी की इतिहास प्रवक्ता डॉ बन्दना सिंह,व डॉ अलका वर्मा उपस्थित रहीं। लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के अधिकतम योग शिक्षार्थी एवम योग प्रशिक्षक भी शामिल थे।कार्यालय के श्री संजय कुमार, अश्विनी त्रिपाठी ,सोनू व सुनील भी व्याख्यान में उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का समापन डॉ नीरांजली सिन्हा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से किया गया।

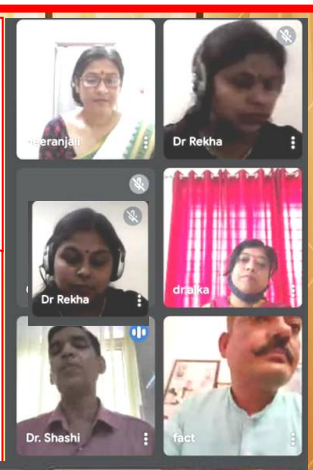

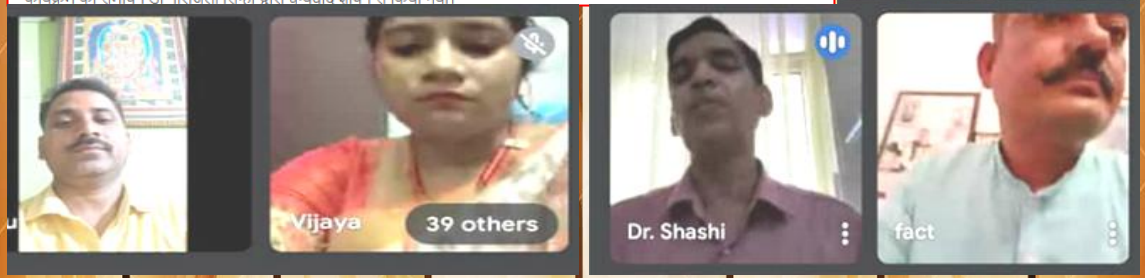

मुविवि में कुलपति ने किया आनलाइन प्रवेश का शुभारम्भ

कुलपति ने प्रथम प्रवेशार्थी का किया स्वागत

मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 के लिए प्रवेश कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। प्रवेश अनुभाग में आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बी.ए. में प्रवेश लेने वाली प्रथम छात्रा का स्वागत किया। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया को काफी सरलीकृत किया गया है। जिससे छात्रों को ऑनलाइन प्रवेश में किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, वाराणसी, आगरा मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या तथा आजमगढ़ क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों में प्रारंभ हुई।

ऑनलाइन प्रवेश प्रकिया का शुभारम्भ करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

प्रथम प्रवेशार्थी का स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध 127 शैक्षिक कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश आज से प्रारंभ हो गया है। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बार सिर्फ ऑनलाइन प्रवेश एवं शुल्क जमा किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ संजय सिंह, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ सीके सिंह, डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं कुलसचिव डॉ ए के गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

राज्यपाल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय पहुंचा गांव

मानविकी विद्या शाखा ने लिया जैतवारडीह को गोद

गांव की महिलाओं से किया संवाद, मिटाई झिझक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित हुए महिला अध्ययन केंद्र ने गांव की ओर रुख किया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र ने मानविकी विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए सोरांव विकासखंड के जैतवारडीह गांव में आज महिला सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय की टीम जब गांव में पहुंची तो गांव की महिलाएं एवं बच्चे उन्हें कौतूहलवश देखने लगे। जब उन्हें बताया गया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इस गांव को अंगीकृत करके विकास का बीड़ा उठाया है तो उनके चेहरे खुशी से चमक उठे।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने उन्हें बताया कि अब इस गांव में कैंप लगाकर यहां के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता आदि के लिए सामुदायिक एवं प्रसार कार्यों का आयोजन निरंतर किया जाएगा। इस तरह गांव की महिलाओं से घुलमिल कर उन्होंने उनकी झिझक मिटाई।

गांव की महिलाओं से संवाद करती प्रोफेसर रुचि बाजपेई।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि गांव की महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन तथा सामाजिक एवं आर्थिक सबलता लाने के लिए उनमें जागरूकता की एक नई मुहिम विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई है। प्रो. बाजपेई ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री महेंद्र गिरी एवं आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव से उनकी राय लेकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया। कोरोना कॉल में गांव की सभी महिलाओं को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। गांव की इंटरमीडिएट पास महिलाओं को विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं रोजगार परक कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि तरक्की के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार गांव में अति आवश्यक है। घर के आस-पास सफाई रखने तथा पॉलिथीन मुक्त अभियान में अपना सहयोग देने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर मानविकी विद्या शाखा के निदेशक डॉ सत्यपाल तिवारी ने कहा कि समाज में महिला जागरूकता और बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजगता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए मानविकी विद्या शाखा ने जैतवारडीह गांव को गोद लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का निश्चय किया है।

मानविकी विद्या शाखा के निदेशक डॉ सत्यपाल तिवारी को गांव वालों ने बताया कि महिला साक्षरता के लिए गांव में कोई उचित व्यवस्था नहीं है। बालिकाओं को घर से दूर पढ़ने के लिए जाना पड़ता है। साथ ही कुछ महिलाओं का यह भी कहना था कि वह स्वयं पढ़ी लिखी नहीं है फिर भी वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहती हैं। गांव वालों का आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने तथा रोजगार के लिए मजदूरी और शारीरिक श्रम ही एकमात्र साधन है। गांव वालों को सरकारी योजनाओं की अल्प जानकारी थी। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी ।

महिला अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ श्रुति एवं डॉ मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ अब्दुल रहमान, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने विश्वविद्यालय की तरफ से किए जा रहे प्रयासों से गांव वालों को अवगत कराया

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ श्रुति एवं डॉ मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ अब्दुल रहमान, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने विश्वविद्यालय की तरफ से किए जा रहे प्रयासों से गांव वालों को अवगत कराया तथा ग्राम प्रधान श्री महेंद्र गिरि से गांव के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए उनके सुझाव मांगे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर आसपास के कई ग्रामों के लोगों एवं ग्राम प्रधानों ने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई इस पहल की काफी सराहना की।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर गठित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा मानविकी विद्या शाखा के साथ प्रारंभ किए गए इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने मानविकी विद्या शाखा को अंगीकृत गांव के विकास के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुख्य वक्ता
प्रो0 हरिकेश सिंह जी

शिक्षा क्षेत्र में हुई क्षति की भरपाई आभासी दुनिया से

प्रो0 हरिकेश सिंह

विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 24 जून 2021 को 'समसामयिक शैक्षिक चिंतन' व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'वर्तमान महामारी के समय में शिक्षक - शिक्षा : मुद्दे और समाधान' विषय पर पूर्वाहन 11:00 बजे जूम ऐप के माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह जी, पूर्व आचार्य एवं संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय, बी.एच.यू. वाराणसी एवं पूर्व कुलपति जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की ।

शिक्षा विद्याशाखा
उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
व्याख्यान श्रृंखला– 'समसामयिक शैक्षिक चिंतन'
व्याख्यान–१, विषय– वर्तमान महामारी समय में शिक्षक–शिक्षा : मुद्दे और समाधान

कार्यक्रम का संचालन करते हुए
आयोजन सचिव, डॉ सुरेन्द्र कुमार

मुख्य वक्ता
प्रो0 हरिकेश सिंह जी

माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

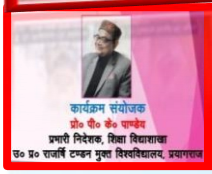

कार्यक्रम संयोजक
प्रो० पी० के० पाण्डेय
प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा
उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सह–संयोजक
डॉ० जी० के० द्विवेदी
सहायक आचार्य

सह–संयोजक
डॉ० दिनेश सिंह
सहायक निदेशक/सहायक आचार्य

आयोजन सचिव
डॉ० सुरेन्द्र कुमार
सहायक आचार्य

सह–आयोजन सचिव
डॉ० उपेन्द्र नाथ तिवारी
प्रवक्ता

सदस्य
डॉ० गीता मिश्रा
शैक्षणिक परामर्शदाता

सदस्य
श्री राजमणि पाल
शैक्षणिक परामर्शदाता

सदस्य
श्री परविन्द कुमार वर्मा
शैक्षणिक परामर्शदाता

मुख्य वक्ता
प्रो0 हरिकेश सिंह जी

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

शिक्षा क्षेत्र में हुई क्षति की भरपाई आभासी दुनिया से- प्रो0 हरिकेश सिंह

शिक्षक शिक्षा जब वास्तविक स्वरूप में संचालित होती है तो उससे जीवन के प्रत्येक पहलू लाभान्वित होते हैं। आभासी दुनिया ने एक विकल्प देकर शिक्षा के क्षेत्र में हो रही क्षति की भरपाई सुनिश्चित की है। उक्त उद्‌गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में समसामयिक शैक्षिक चिंतन व्याख्यानमाला के अंतर्गत वर्तमान महामारी के समय में शिक्षक-शिक्षा: मुद्दे और समाधान विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार ने व्यक्त किये।

प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षा जगत में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसका समाधान संभव नहीं है। इसके लिए हमें सभी संस्थाओं से विचार-विमर्श करके शैक्षिक आपदा से संबंधित वैकल्पिक दस्तावेज तैयार रखनी चाहिए। जिससे जब कभी आपदा आए तो इन विकल्पों के माध्यम से निराकरण संभव हो सके।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी व्यापक रूप में आई और इसने जनजीवन को सबसे अधिक अस्त-व्यस्त किया। शिक्षा जगत इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ है। कक्षा और प्रयोगशाला में मिलने वाले अनुभव को इस महामारी में हम सभी ने खो दिया है।

प्रो0 सिंह ने कहा कि हमें पाठ्यक्रम को एक्शन ओरिएंटेड बनाना चाहिए। संकट की इस घड़ी में पाठ्यक्रम में जो क्षति हुई है, उसको पहचान कर दूर करने का प्रयास करें। जिससे गुणवत्ता का उन्नयन हो।अन्य पाठ्यक्रमों पर छोटे-छोटे समूह बना कर क्षति रिपोर्ट तैयार की जा सकती है।

वर्तमान परिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है- प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है। शिक्षण प्रशिक्षण को उपयोगी एवं प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक विधियां विकसित की गई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कोविड-19 महामारी के समय में शिक्षण प्रशिक्षण से संबंधित मुख्य समस्या इंटर्नशिप एवं अभ्यास शिक्षण को लेकर है।

UPRTOU

Topic: वर्तमान महामारी के समय में शिक्षक शिक्षा: मुद्दे और समाधान
Time: Jun 24, 2021 10:50 AM

मुख्य वक्ता
प्रो0 हरिकेश सिंह जी

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

Zoom meeting

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह का स्वागत किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ सुरेन्द्र कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन सह -संयोजक डॉ0 दिनेश सिंह ने किया।

व्याख्यानमाला कार्यक्रम में सह -संयोजक, डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, सह -आयोजन सचिव डॉ0 उपेन्द्र नाथ तिवारी, सदस्य नीता मिश्रा, सदस्य श्रीराजमणि पाल एवं सदस्य श्री परविन्द कुमार वर्मा ऑनलाइन उपस्थित रहे।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सह-संयोजक, डॉ दिनेश सिंह

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने दिनांक 25 जून 2021 को राजभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं एवं छात्र हित में किए जा रहे कार्यों से माननीया कुलाधिपति महोदया जी को अवगत कराया।

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट करती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

माननीय उप मुख्यमंत्री
डॉ0 दिनेश शर्मा जी
से शिष्टाचार भेंट करती हुई
कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

दिनांक 25 जून 2021 को
लखनऊ स्थित
माननीय उप मुख्यमंत्री
डॉ0 दिनेश शर्मा जी
के आवास पर
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय
की माननीया कुलपति
प्रो० सीमा सिंह जी
ने शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय
द्वारा महिलाओं एवं छात्रों के हित में किए जा
रहे कार्यों से अवगत कराया।

मुक्त विश्वविद्यालय ने लेहरा गांव में बांटे मास्क एवं प्रास्पेक्ट्स

महिला अध्ययन केंद्र ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए लगाया कैंप

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित हुए महिला अध्ययन केंद्र ने गांव की ओर रुख किया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र ने कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत गांव लेहरा में महिला अध्ययन केंद्र ने महिला सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने के लिए उन्हें उत्प्रेरित किया गया। सामाजिक भेदभाव, लड़के-लड़कियों में अंतर, अशिक्षा, अंधविश्वास, कम उम्र में विवाह, पर्दा प्रथा आदि सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनमें जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

गांव की महिलाओं से संवाद करती प्रोफेसर रुचि बाजपेई एवं डॉ साधना श्रीवास्तव

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र ने विश्वविद्यालय की तरफ से ग्रामीण महिलाओं को मास्क का वितरण करते हुए उसे सही ढंग से पहनने के बारे में बताया। इसके साथ ही कोविड-19 टीकाकरण और हैंड सैनिटाइजर के प्रयोग के महत्व को बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र ने ग्रामीणों को विश्वविद्यालय की तरफ से प्रवेश विवरणिका की प्रतियां नि:शुल्क प्रदान की तथा कैरियर से संबंधित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए अभिप्रेरित किया, साथ ही शैक्षणिक कार्यक्रमों को पूरा करके आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। कुलपति प्रो0 सीमा सिंह स्वयं महिलाओं के उत्थान एवं उनमें जागरूकता लाने के लिए विशेष रूप से प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय में गठित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव के लोगों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता आदि के लिए सामुदायिक प्रसार कार्यक्रमों का संचालन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं को विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ की गई योजना काफी रास आ रही हैं।

लेहरा ग्राम में आयोजित सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो0 रुचि बाजपेई, सह-समन्वयक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 मीरा पाल तथा सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने ग्रामीण महिलाओं से बातचीत द्वारा उनकी कठिनाइयों को जानकर उन्हें उचित सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। महिलाओं को बताया गया कि जब तक उनकी सोच आत्मनिर्भर नहीं होगी, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से उन्हें नहीं मिल सकता। कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 प्रेम प्रकाश दुबे ने कृषि विद्याशाखा द्वारा अंगीकृत गांव लेहरा में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ0 शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्री राजेश गौतम एवं श्री अंकित मिश्रा आदि ने जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

- पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधों का रोपण आवश्यक है।
- " वृक्ष लगाओ, विश्व बचाओ।"
- स्वाध्याय, स्वमर्थन एवं स्वावलंबन के मंत्र को शिक्षार्थी अपने जीवन में आत्मसात करें।
- स्वच्छ भारत, निरोगी भारत।
- आत्मरक्षा-देश रक्षा ।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का माननीया कुलपति ने किया निरीक्षण

माननीया कुलपति ने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए परिसर में किया पीपल के पौधे का रोपण

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के परिसर में वृक्षारोपण करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का दिनांक 26 जून 2021 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए परिसर में पीपल के पौधे का रोपण किया।

इससे पूर्व पहली बार लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा ने कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का अभिवादन किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता एवं लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से समबद्ध परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा ने उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

वृक्षारोपण में ही मानव जीवन निहित है: प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने क्षेत्रीय समन्वयक एवं क्षेत्रीय केंद्र पर कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि दो माह के अंदर अपने क्षेत्रीय कार्यालय परिसर को पेड़-पौधों से आक्षान्दित करें। विशेष रुप से पीपल का पौधा एवं फलदार पौधों का ही रोपण किया जाए। इसके साथ ही क्षेत्रीय समन्वयक को निर्देशित किया कि आप अपने अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों के केंद्र समन्वयक एवं प्राचार्य से समन्वय स्थापित करते हुए अधिकाधिक पौध रोपण कराये।

माननीया कुलपति जी ने लोगों से अपील की तथा कहा कि केवल वृक्ष लगाने तक ही अपने उत्तरदायित्व को संपन्न न समझे बल्कि 6 माह तक निरंतर उसमें पानी, खाद इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करते रहे। ऐसा करने से ही संपूर्ण मानव जगत का कल्याण किया जा सकता है। वृक्षारोपण में ही मानव जीवन निहित है, बिना वृक्ष के मानव जीवन प्राण के है। अतः उन्होंने कहा "वृक्ष लगाएं, विश्व बचाये।"

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का अभिवादन एवं स्वागत करते हुए लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता, केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा एवं लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा

महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए: प्रो0 सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय **के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का शनिवार को** विश्वविद्यालय **की माननीय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने निरीक्षण किया।**

प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करके प्रवेश की स्थिति और परीक्षा की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी में स्थित यह क्षेत्रीय कार्यालय एक आदर्श केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। ज्ञातव्य हो कि गत वर्ष राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर कमलों से क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन हुआ था। प्रयागराज से बाहर यह विश्वविद्यालय **का ऐसा क्षेत्रीय केंद्र है जो अपने भवन से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केंद्र तक आने वाले सभी छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए।**

माननीया कुलपति जी ने क्षेत्रीय केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक बैठक भी आहूत की जिसमें उन्होंने कुछ स्पष्ट एवं सख्त निर्देश भी दिए और उन्होंने कहा हमारे विश्वविद्यालय **की कार्यप्रणाली शिक्षार्थी केंद्रित है। अतः सर्वप्रथम शिक्षार्थियों के पठन-पाठन से संबंधित सभी आवश्यकताएं यथासंभव समय से पूर्ण किए जाएं। शिक्षार्थी के समस्या का समाधान स्थल पर ही निस्तारित किया जाए। इसके साथ ही परीक्षा के संबंध में राज्य सरकार के दिशा निर्देश का पालन करते हुए परीक्षाएं शुचिता पूर्ण एवं नकल विहीन संपादित कराए जाएं। शिक्षार्थियों की सभी समस्याओं का निदान अविलंब किया जाए। शिक्षार्थी ही देश के भविष्य हैं, यह एक अच्छे संदेश वाहक भी हैं, यदि इनके साथ आप सहृदयता दिखाते हुए उनका कार्य समय पर पूर्ण करेंगे तो निसंदेह समाज में एक अच्छा संदेश प्रचारित एवं प्रसारित होगा। ऐसा करने से विज्ञापन इत्यादि पर होने वाले खर्च से** विश्वविद्यालय **को बचाया जा सकता है।**

क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता, केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा एवं लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा

आपने सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश के संबंध में कहा कि इसकी सूचना क्षेत्रीय कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं एवं दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रवेश के संबंध में सूचना प्रचारित एवं प्रसारित किया जाए। आवश्यकतानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर प्रवेश हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया जाए।

माननीया कुलाधिपति महोदया के द्वारा महिलाओं, बालिकाओं एवं निशक्त बालकों के उत्थान हेतु कुछ दृढ़ संकल्प लिए गए हैं। माननीया कुलाधिपति महोदया के इन योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए माननीया कुलपति जी ने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को विश्वविद्यालय मुख्यालय के समान ही एक गांव गोद लेने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अध्ययन केंद्र के समन्वयको को अभिप्रेरित किया जाए कि वह भी एक-एक गांव गोद लेकर गांव में व्याप्त में निरक्षरता, गरीबी निशक्तता, अस्वच्छता, स्वावलम्बि बनने के लिए आत्मनिर्भरता की कमी, महिला उत्पीड़न, क्षय रोग इत्यादि। उपरोक्त बिंदुओं के आलोक में राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं से आम जनमानस को जागरूक करने एवं अपने अधिकार के प्रति सजग होने के लिए जागरूकता कार्यक्रम सप्ताहवार गांव में आयोजित किए जाएं। इसके लिए गांव के ग्राम प्रधान एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से इस दिशा में कार्य किया जाए। जिससे एक स्वच्छ सुंदर एवं सभ्य समाज की स्थापना की जा सकती है। कुलपति प्रो0 सिंह ने निर्देश दिया कि महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए।

मुविवि के टीकाकरण शिविर में कुलपति ने लगवाया टीका

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोविड-19 टीकाकरण शिविर में इंजेक्शन लगवाती हुई विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० सीमा सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खुद टीकाकरण करवाया। आज उन्होंने वैक्सीन की दूसरी खुराक ली। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि टीकाकरण अभियान में हम सब को भागीदार होना चाहिए। कोरोना महामारी से लड़ने के लिए टीकाकरण ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो० सीमा सिंह के निर्देशन एवं कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता की देखरेख में आज दिन भर टीकाकरण का अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर, सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर में स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों एवं शिक्षकों को वैक्सीन लगाई गई। विश्वविद्यालय में टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाने पर कर्मचारियों ने कुलपति प्रो० सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के टीम का स्वागत किया। टीकाकरण करवाने वालों में शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

टीकाकरण कराते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त विश्वविद्यालय की टीम ने मातादीन का पूरा में महिलाओं को किया जागरूक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा फाफामऊ के मातादीन का पूरा में **'महिला स्वास्थ्य एवं समुदाय पोषण जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत इस गांव में ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों को कोरोना वायरस से बचाव

हेतु मास्क वितरण किया गया। समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य शिक्षा व आत्मनिर्भरता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को कोरोना वायरस से बचाव हेतु टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य जन समुदाय में उच्च शिक्षा, ज्ञान और रोजगार परक कौशलों के विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क विकास करता है। इसी के दृष्टिगत आज का यह कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य और समुदाय पोषण के संबंध में जागरूकता के लिए विश्वविद्यालय के स्थापित महिला अध्ययन केंद्र के तत्वाधान में आयोजित किया गया ।

महिला अध्ययन केंद्र की अन्य पदाधिकारियों ने ग्रामीण अंचल की महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया । महिलाओं व किशोरियों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पोषण और संतुलन आदि के विषय में विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला। महिलाओं को खून की कमी से होने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए उन्होंने इस कमी को दूर करने हेतु भोजन में नियमित रूप से गुड़ व चना के

सेवन पर बल दिया। उन्होंने हरे पत्तेदार सब्जियों प्रोटीन युक्त पदार्थ जैसे दूध मछली अंडा पनीर आदि का प्रयोग आवश्यक बताया गर्भवती महिलाओं को अपने भोजन में 70 से 75 ग्राम प्रोटीन नियमित रूप से लेने की सलाह दी। संतुलित आहार में दाल रोटी सब्जी दही आदि सभी होना चाहिए। खट्टे फलों का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। 18 वर्ष से अधिक के सभी लोग अनिवार्य रूप से टीकाकरण करवाएं स्वास्थ समिति द्वारा दिए गए महिला अध्ययन केंद्र की

कार्यकारी समिति के सदस्य राजेश गौतम, शैक्षणिक परामर्शदाता, पुस्तकालय विज्ञान ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों प्रवेश परीक्षा सामग्री आदि के संबंध में विस्तार से बताया साथ ही महिलाओं के प्रवेश संबंधी जिज्ञासा को भी समाधान किया समिति ने महिलाओं को स्वच्छता के बारे में भी जानकारी प्रदान की। सदस्यों ने कार्यक्रम में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी से बातचीत करके महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी मामले में उनकी राय ली। वहां उपस्थित 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों को मध्यान्ह भोजन, संतुलित एवं पौष्टिक आहार आदि के बारे में बताया गया। जागरूकता शिविर में प्रोफेसर रुचि बाजपेई के साथ डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल तथा डॉ साधना श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सांख्यिकी दिवस पर मुविवि में वेबीनार आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर दिनांक 29 जून 2021 को वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार के मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। वेबीनार के मुख्य वक्ता डॉ नियती जोशी, निदेशक, वित्त मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर टैक्सेस, नई दिल्ली रहे तथा वेबीनार की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ श्रुति

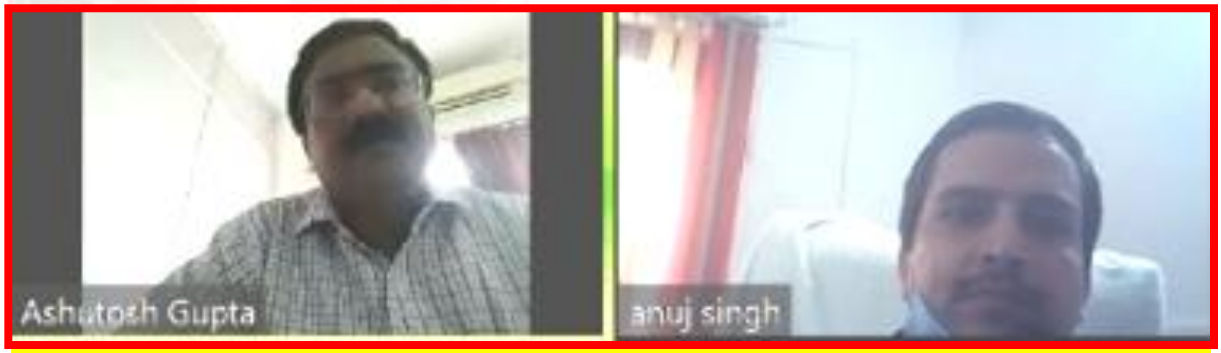

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी श्री अनुज सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, एन एस एस ओ, प्रयागराज ने दी। अतिथियों का स्वागत डॉ आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित (आफलाइन एवं आनलाइन) प्रतिभागीगण

सतत विकास लक्ष्य में सांख्यिकी की भूमिका महत्वपूर्ण- प्रो. चतुर्वेदी

मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कोविड-19 के समय सांख्यिकी की उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्य में सांख्यिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी

सतत कृषि प्रोत्साहन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है : जोशी

मुख्य वक्ता डॉ नियति जोशी

मुख्य वक्ता डॉ नियति जोशी, निदेशक, वित्त मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड आफ डायरेक्ट टैक्सेस, नई दिल्ली ने सतत विकास के लक्ष्य के बारे में बताया साथ ही एसडीजी 2 की थीम शून्य भुखमरी, खाद्य सुरक्षा प्राप्ति और बेहतर पोषण तथा सतत कृषि प्रोत्साहन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि भुखमरी को खत्म करने का लक्ष्य प्राप्ति वर्ष 2030 तक रखा गया है।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने सर्वप्रथम भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो0 प्रशांत चंद्र महानालोबिस के योगदान को याद करते हुए नमन किया। उन्होंने सांख्यिकी का महत्व बताते हुए बिग डाटा एनालिसिस में सांख्यिकी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

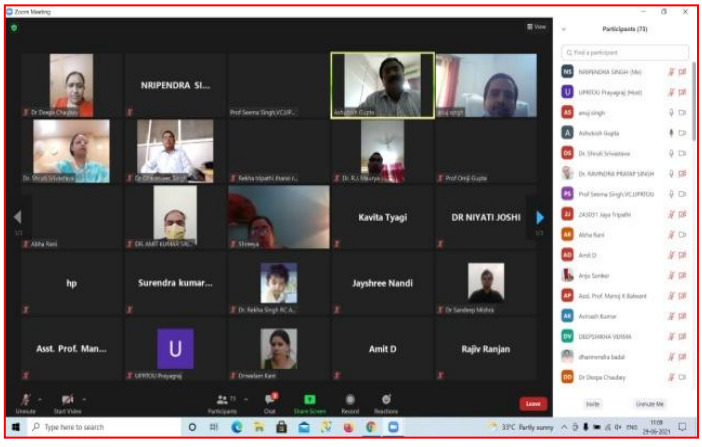

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई आयोजन सचिव डॉ श्रुति

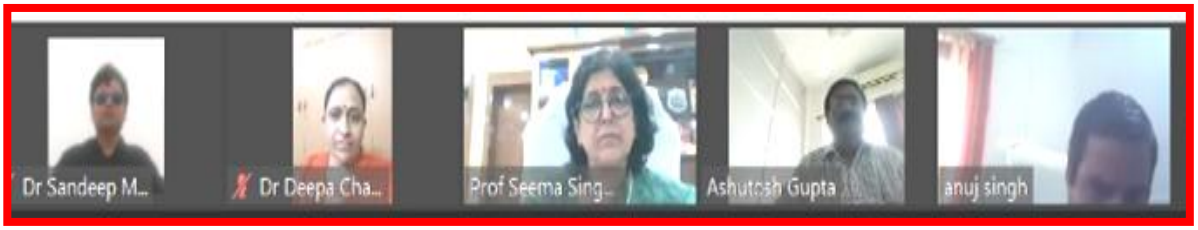

नए शैक्षिक सत्र में गांवों में जलेगी शिक्षा की अलख समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी गांव में कैंप लगाया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में माननीयय राज्यपाल के निर्देश एवं कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के निर्देशन में समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी टीएसएल नैनी प्रयागराज को गोद लिया है। गोद लिए गांव में मंगलवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा ने वृक्षारोपण एवं कोविड-19 महामारी एवं बचाव के संदर्भ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रो0 संतोषा कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्या शाखा के नेतृत्व में सभी शिक्षकों के चांडी गांव पहुंचने पर वहां कौतूहल का माहौल बन गया। मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी गांव को गोद लेकर उसे संवारने का संकल्प लिया है।

प्रो0 संतोष कुमार

प्रो0 संतोष कुमार ने बताया कि इस गांव में कैंप लगाकर यहां के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम निरंतर किए जाएंगे। समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्राध्यापकों ने गांव में जाकर महिलाओं से बातचीत कर उनको सरकारी योजना के बारे में बताया। साथ ही वर्तमान में कोविड-19 महामारी के बारे में विस्तृत चर्चा कर कोविड-19 महामारी से बचाव एवं सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। टीकाकरण कराने पर जोर दिया गया। गांव के लोगों को यह भी बताया गया कि महामारी से डरना नहीं है अपितु सकारात्मक सोच के साथ कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करने पर जोर दिया गया। महामारी के बारे में दी गई जानकारी से गांव की महिलाओं एवं बच्चों के बीच आत्मविश्वास का भाव दिखा। साथ ही समाज विज्ञान विद्या शाखा की तरफ से मास्क,सेनीटाइजर, पंपलेट वितरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्रीमती पार्वती निषाद एवं प्रधान पति श्री राजेश निषाद ने अध्यापकों का स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय द्वारा गांव को गोद लेने पर हर्ष व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा सुमंगल संस्था के श्री अजीत ने विश्वविद्यालय के इस कार्यक्रम को समाज में बदलाव हेतु क्रांतिकारी कदम बताया । अंत में प्रो० संतोषा कुमार ने गांव के महिलाओं, बुजुर्गों के बीच कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, रमेश चंद यादव, मनोज कुमार, डॉ अभिषेक सिंह आदि ने ग्रामीणों को विश्वविद्यालय की कार्य योजनाओं से अवगत कराया।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रतिरोधक क्षमता पर हुआ व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को सकारात्मक स्वास्थ्य तथा प्रतिरोधकता क्षमता की अभिवृद्धि में आहार एवं पोषण का महत्व विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के कुलपति पद्मश्री प्रो0 गेशे नवांग सामतेन जी रहे। मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ की प्रो0 सुनीता मिश्रा जी तथा विशिष्ट वक्ता गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड की प्रो0 सरिता श्रीवास्तव जी रही। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जीने की। प्रो. जी.एस. शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ. मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ0 मीरा पाल तथा कार्यक्रम में उपस्थित (ऑनलाइन) मा0 अतिथिगण।

प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल

संयोजक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य को ही असली पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि हम अपनी नियति के स्वयं लेखक हैं और अपने जीवन के स्वयं आर्किटेक्ट हैं। परमात्मा ने हमें इतनी शक्ति दी है कि हम अपने जीवन के अभीष्ट को प्राप्त कर सकते हैं एवं परिस्थितियों को परिवर्तित कर सकते हैं।

मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ की प्रो0 सुनीता मिश्रा ने विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में उपस्थित महत्वपूर्ण घटकों का विस्तार से वर्णन किया और अच्छे स्वास्थ्य में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो0 सुनीता मिश्रा

विशिष्ट वक्ता गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड की प्रो0 सरिता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें जंक फूड के स्थान पर अपने परंपरागत भोजन को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही योग एवं ध्यान का भी अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए आहार एवं पोषण के महत्व का विस्तार से वर्णन किया।

विशिष्ट वक्ता प्रो0 सरिता श्रीवास्तव

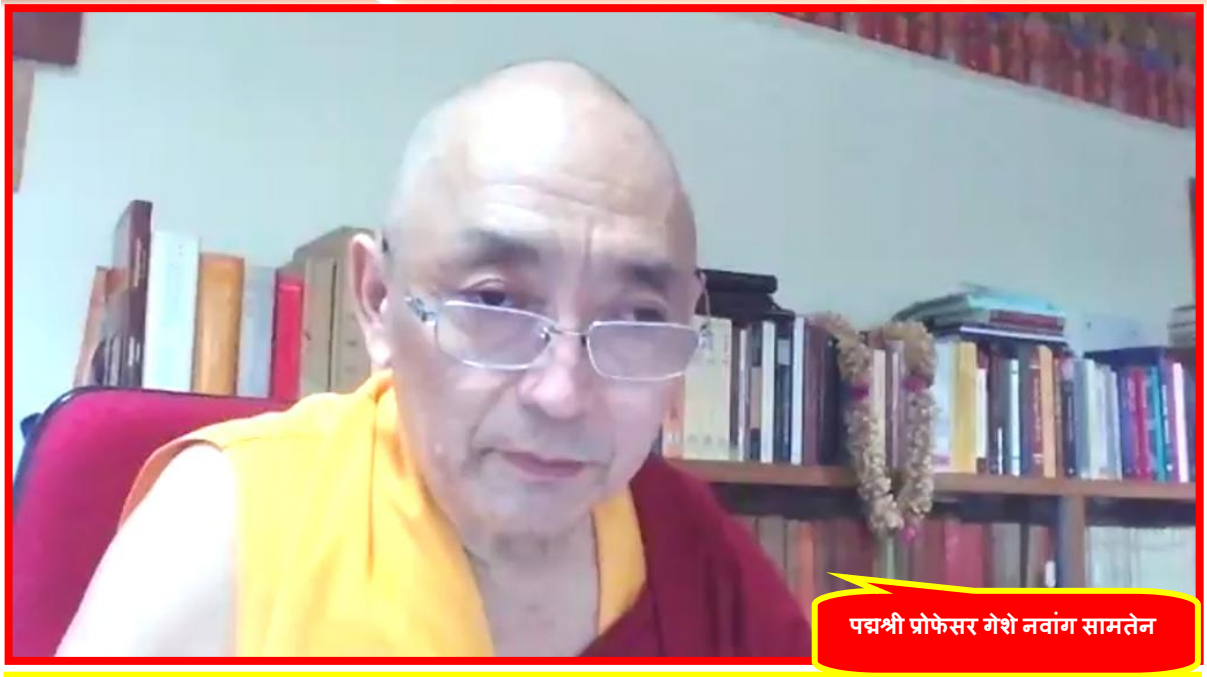

पद्मश्री प्रोफेसर गेशे नवांग सामतेन

इम्युनिटी बढ़ाने में सकारात्मक मनोवृति आवश्यक- पद्मश्री सामतेन

व्याख्यान के मुख्य अतिथि केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर गेशे नवांग सामतेन ने कहा कि खाद्य पदार्थों एवं फसलों में हानिकारक तत्वों की उपस्थिति नहीं होनी चाहिए। इस पर रोकथाम हेतु एक जनजागरण अभियान के साथ ही आवश्यक कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आहार के महत्व एवं शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए मन से शरीर के रोगों को दूर करने की विधा पर प्रकाश डाला। पद्मश्री प्रोफेसर सामतेन ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता की अभिवृद्धि में सकारात्मक मनोवृति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

आहार एवं पोषण का अपने जीवन में संतुलन रखें- प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि कोविड संक्रमण काल में लोगों में इम्युनिटी के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आहार एवं पोषण का अपने जीवन में संतुलन रखें तो हमारी इम्यूनिटी सही रह सकती है। भोजन करते समय हमारे विचार अच्छे होने चाहिए जिससे हमारे शरीर को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण से समाज का कल्याण और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

माह–जून 2021

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

प्रोफेसर सीमा सिंह
कुलपति
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
फोन नंबर ऑफिस: 0532 -2447028
फैक्स : 2447032

डॉ.अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विद्यालय, प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 752 5048 0 31

श्री अजय कुमार सिंह
वित्त अधिकारी
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48006

श्री डी पी सिंह
परीक्षा नियंत्रक
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48009

इं. सुखराम मथुरिया
उप कुलसचिव
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
मोबाइल नंबर : 75250 48023

कुलपति की कलम से

मानव को ज्ञानवान, सामर्थ्यवान तथा विवेकवान बनने और बनाने का एकमात्र साधन व माध्यम शिक्षा है। आइये हम सब शिक्षित और दीक्षित हों। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, आयु, स्थान, समय तथा रोजगार आदि के बन्धनों से मुक्त गुणवत्तापरक एवं लचीली उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आपका स्वागत है। शिक्षार्थ आईये सेवार्थ जाइये। समसामयिक समस्याओं, सामाजिक सरोकारों तथा राष्ट्र उत्थान में भी यह विश्वविद्यालय निरन्तर अग्रसर है। यह नवाचारों के प्रति भी सहज और सजग है। To be a Virtual University के विजन, जीवन पर्यन्त रोजगार, कौशल विकास तथा मानव निर्माण की शिक्षा प्रदान करने के मिशन तथा ''हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहां'' जैसे सूत्र वाक्य के साथ यह विश्वविद्यालय वर्ष 1999 से समाज की शिक्षा सेवा में तत्पर है। भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के नाम पर तीर्थराज प्रयाग में अवस्थित ग्रीन एवं क्लीन मुख्यालय के तीन परिसरों के साथ यह विश्वविद्यालय उ0प्र0 राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विकसित वर्तमान के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों तथा 1100 से अधिक अध्ययन केन्द्रों के माध्यम तथा समर्पित प्राध्यापकों व सहकर्मियों की सहायता से शिक्षार्थी समीपस्थ तथा अधिगम केन्द्रित उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय जन सामान्य चाहे महिला हो या ग्रामीण को सजग व जागरूक बनाने की गतिविधियाँ भी आयोजित व संचालित करता है। मुक्त चिंतन का प्रकाशन भी विश्वविद्यालय का इसी दिशा में एक प्रयास है। इस कार्य हेतु मैं श्री इन्दुभूषण पाण्डेय जी एवं अन्य सहयोगियों को साधुवाद देती हूँ तथा इसके सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ। भारत उत्थान को समर्पित सभी पूर्वजों को नमन करते हुए मैं आशा करती हूँ कि यह विश्वविद्यालय देश, प्रदेश और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने में अवश्य सफल होगा।

जय हिन्द !

Seema.

प्रो0 सीमा सिंह
कुलपति

माननीया कुलपति जी ने किया विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण

शासन एवं मा0 राज्यपाल जी की मंशानुरूप नैक को शीर्ष प्राथमिकता देते हुये कैम्पस को सुसज्जित करने, निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ–साथ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने हेतु स्थान के लिए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने दिनांक 01 जून, 2021 को सायं 04:30 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण किया।

विश्वविद्यालय के गंगा परिसर का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय के निदेशक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कुलसचिव

माननीया कुलपति जी ने परिसरों को सुसज्जित करने, पार्किंग व्यवस्था, निर्माण कार्य पूर्ण कराने, कार्यालयों में सफाई व्यवस्था को चुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य केन्द्र यथाशीघ्र स्थापित करने हेतु सम्बन्धित निदेशकों, अधिकारियों एवं प्रभारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, मा0 कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, मा0 कुलपति जी के ओ.एस.डी. एवं सम्पत्ति प्रभारी डॉ0 दिनेश सिंह, प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, विद्युत परामर्शदाता श्री उमेश पाण्डेय एवं कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय ने यमुना परिसर में किया वृक्षारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 4 जून को अपराहन 3:00 बजे यमुना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही। कोविड-19 प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय के सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता की ।

वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

- वृक्षारोपण के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान
- विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं

माननीया कुलपति

वृक्षारोपण के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान - प्रो.सीमा सिंह

वृक्षारोपण के साथ-साथ पेड़ों के संरक्षण की भी आवश्यकता है। इसके लिए हमें समाज में जागरूकता अभियान चलाना होगा। पेड़ लगाने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह ऑक्सीजन के जरिए मानव जीवन की रक्षा करते हैं।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में आयोजित वृक्षारोपण समारोह का उद्घाटन कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने पौधा रोप कर पर्यावरण अभियान की शुरुआत की।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज प्रदूषण से लोग भयंकर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। जिसमें पेड़ों की कटाई पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बन गई है। आज मानव जाति की रक्षा के लिए हमें आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि विश्वविद्यालय परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर की विभीषिका में हम देख चुके हैं कि ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों का महत्व हमारी जिंदगी में कितना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण का अभियान अब रुकेगा नहीं और इसे क्षेत्रीय केंद्रों पर भी ले जाया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। हमें आज पर्यावरण को हरा-भरा करने का संकल्प लेना चाहिए। पर्यावरण की रक्षा तभी संभव है जब हम अपने आसपास का वातावरण शुद्ध रखेंगे और गंदगी नहीं फैलाएंगे।

ABP Ganga चैनल पर आज दोपहर 12:45 बजे जानी-मानी शिक्षाविद एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी लाइव कार्यक्रम।

हमारी सारी क्लासेस पहले से ही ऑनलाइन- प्रोफेसर सीमा सिंह

यूपी राजर्षि टंडन ओपन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हमारी सारी क्लासेस पहले से ही ऑनलाइन हैं इसलिए हमारे लिए यह कोई नहीं बात नहीं है. बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि परंपरागत विश्वविद्यालय अब हमारी प्रोसेस अपना रहे हैं.

केंद्र की गाइडलाइन का पालन करना चाहिए- सीमा सिंह

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ऑडियो-वीडियो लेक्चर की शुरूआत हो गई है और इसी से छात्रों के साथ संवाद किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हम मोबाइल ऐप के माध्यम से भी छात्रों से जुड़ रहे हैं. सभी को कोरोना के संबंध में केंद्र की गाइडलाइन का भी पालन करना चाहिए.

BREAKING NEWS

e-संवाद में बोलीं राजर्षि विवि की VC प्रो. सीमा सिंह

BREAKING NEWS

ऑडियो-वीडियो लेक्चर की शुरूआत हो रही है-सीमा सिंह

BREAKING NEWS

मोबाइल एप के माध्यम से छात्र हमसे जुड़ सकते हैं-सीमा सिंह

हम मोबाइल ऐप से भी बच्चों से जुड़ते हैं- सीमा सिंह

MDH Masale

पर्यावरण दिवस पर मुविवि में ऑनलाइन व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शनिवार को पोटेंशियल बिजनेस आउट ऑफ क्लाइमेट चेंज विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। ऑनलाइन व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति डॉ० पृथ्वीश नाग जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने की। कार्यक्रम समन्वयक निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा डॉ प्रेम प्रकाश दुबे ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निदेशक प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ ओम जी गुप्ता ने मुख्य अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर ऑनलाइन व्याख्यान में प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आषुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी.के. पाण्डेय, प्रभारी निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 सन्तोषा कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, कुलसचिव, डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, शैक्षणिक परामर्शदाता, कर्मचारी एवं अन्य प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि
एवं
मुख्य वक्ता
डॉ0 पृथ्वीश नाग जी

जलवायु परिवर्तन से डरने की आवश्यकता नहीं - डॉ. नाग

ऑनलाइन व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पूर्व कुलपति डॉ0 पृथ्वीश नाग ने कहा कि आज के भाग-दौड़ में विकास की प्रक्रियाओं से बच पाना संभव नहीं है। विकास के प्रति लोगों के मन में जो गलत धारणाएं हैं कि इससे जलवायु परिवर्तन विशेषकर ग्लोबल वार्मिंग हो रही है उसके कोई पुष्ट साक्ष्य नहीं हैं। डॉ नाग ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से डरने की नहीं बल्कि सकारात्मक ढंग से उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

डॉ0 नाग ने कहा कि विगत 100 वर्षों में यदि थोड़ा बहुत तापमान बड़ा भी है तो वह स्वाभाविक परिवर्तन है। जिसके साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए ज्योग्राफिकल शिफ्ट इन लोकेशन, तकनीकी संशोधन, व्यवसायिक परिवर्तन आदि के माध्यम से ठीक किया जा सकता है इससे मानवता की जीवन एवं जीविका पर विशेष अंतर नहीं आना है बल्कि जो भी अंतर आएगा वह विकासोन्मुखी ही होगा। इसमें उत्पादों की मांग बढ़ेगी। मांग के अनुरूप तकनीकी में सुधार करते हुए उत्पादन बढ़ेगा और अंततः इसके फल स्वरुप व्यवसाय के नए-नए आयाम पैदा होंगे। जिससे रोजगार एवं आय की नई संभावनाएं पैदा होंगी।

युवा समाज को अपने आप को नई चुनौतियों का सामना करने के अनुरूप व्यवस्थित करना होगा- प्रो0 सीमा सिंह

कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने कहा कि डॉ0 नाग का यह व्याख्यान जलवायु परिवर्तन के विषय में लोगों के मन में बैठे हुए डर को समाप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। यह व्याख्यान उस वक्त जब पूरा विश्व कोविड-19 की दूसरी लहर से उबरने का प्रयास कर रहा है उसमें आशा की नई किरण के समान है। इससे युवा समाज को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की चिंता में ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि अपने आप को नई चुनौतियों का सामना करने के अनुरूप व्यवस्थित करना होगा।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

कोरोना काल में इम्युनिटी बढ़ाएगा योग- प्रो सीमा सिंह

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा का कुलपति ने किया शुभारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में 7 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पखवाड़ा का आयोजन किया गया है। इस पखवाड़े का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने किया। कार्यक्रम समन्वयक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो0 गिरजा शंकर शुक्ला ने माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत किया एवं आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

योग स्वयं को प्रकृति के साथ जोड़ने का साधन है। कोरोना काल में इम्युनिटी बढ़ाने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज जीवन शैली में परिवर्तन की आवश्यकता है। सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह योग के माध्यम से ही संभव है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने योग पखवाड़ा (7 से 21 जून) के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किए।

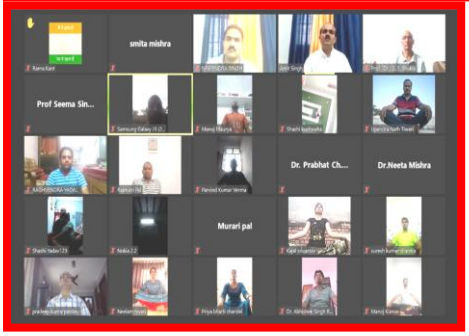

कार्यक्रम समन्वयक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो गिरिजा शंकर शुक्ल ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय इस योग पखवाड़े के माध्यम से अच्छे योग्य प्रशिक्षक तैयार करेगा, जिससे पूरे प्रदेश में योग के माध्यम से लोगों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखा जा सके। योग का हमारे शरीर और मन से बड़ा जुड़ाव है।

प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर व्याख्यान

श्री अमित कुमार सिंह आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 8 जून 2021 को "**मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान**" पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे।

योग शरीर की क्रिया प्रणाली को स्वस्थ रखने का अटूट माध्यम. प्रो0 जी0एस0

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में दिनांक 8 जून 2021 को मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर जी एस शुक्ला रहे। उन्होंने मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान पर अपना व्याख्यान देते हुए शरीर के विभिन्न अंगों एवं अंग तंत्रों को किस तरह स्वस्थ रखा जाए उस पर प्रकाश डाला । साथ ही मानसिक अवस्था के महत्व के बारे में बताया कि किस प्रकार अस्वस्थ् मानसिक अवस्था शरीर की क्रिया पर अपना विपरीत प्रभाव डालती है तथा एक सामान्य व्यक्ति को असामान्य बना देती है । योग के द्वारा मस्तिष्क के विभिन्न अवययो को बहुत ही भली.भांति स्वास्थ्य रखा जा सकता है तथा व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है।

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 09 जून 2021 को "**रोग और योग**" विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे।

प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

मुविवि में रोग और योग विषय पर व्याख्यान

व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है . प्रो0 जी.एस. शुक्ल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वाधान में दिनांक 09 जून 2021 को रोग और योग विषय पर व्याख्यान हुआ । व्याख्यान के मुख्य वक्ता निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा प्रो0 जी एस शुक्ला रहे। प्रो0 जी एस शुक्ला ने हृदय रोग से संबंधित विभिन्न बीमारियों पर प्रकाश डाला गया एवं उनके योगिक समाधान पर विस्तार से बताया । आज के इस व्याख्यान में उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार जी एवं अपर शिक्षा निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी सहित बहुत सारे प्रतिभागियों ने भाग लिया। योग के द्वारा मस्तिष्क के विभिन्न अवययो को बहुत ही भली.भांति स्वास्थ्य रखा जा सकता है तथा व्यक्ति अपना जीवन मानसिक विकारों से मुक्त होकर प्रसन्नचित्त जीवन जी सकता है।

मुविवि के के निदेशकों, प्रभारी विद्याशाखाओं के प्रभारी वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव की बैठक

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा विश्वविद्यालय के निदेशकों, विद्याशाखा के प्रभारीयों, प्रभारी, वित अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव की बैठक दिनांक 09 जून 2021 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

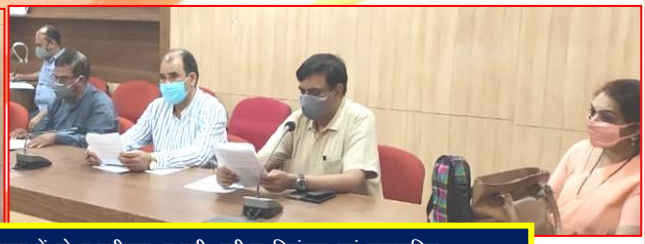

बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, विद्याशाखाओं के प्रभारीगण, प्रभारी, परीक्षा नियंत्रक एवं कुलसचिव

बैठक में प्रो0 ओम जी गुप्ता निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा एवं सीका अध्यक्ष, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रभारी, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, प्रो0 संतोषा कुमार प्रभारी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, श्री डी.पी.सिंह, परीक्षा नियंत्रक, प्रो0 रूचि बाजपेयी एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव उपस्थित रहें।

मुविवि में आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग विषय पर व्याख्यान

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 10 जून 2021 को "**आयुर्वेद चिकित्सा एवं योग** " विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ अभिषेक कुमार बीएएमएस सीनियर कंसलटेंट हेल्थ एंड वेलफेयर श्री श्री रविशंकर जी आश्रम बेंगलुरु रहे।

आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पैथी ही नहीं अपितु जीवन का रहस्य है . डॉ अभिषेक कुमार

मुख्य वक्ता डॉ अभिषेक कुमार बीएएमएस सीनियर कंसलटेंट हेल्थ एंड वेलफेयर श्री श्री रविशंकर जी आश्रम बेंगलुरु ने आयुर्वेद में वात, पित्त और कफ की भूमिका उनके महत्व के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया। साथी आयुर्वेद चिकित्सा की उपयोगिता के विषय में भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वायु, पित्त और कफ के अनुकूल अवस्था में शरीर स्वस्थ रहता है एवं प्रतिकूल अवस्था में होते ही शरीर रोग ग्रस्त हो जाता है। उन्होंने वात, पित्त और कफ से होने वाली बीमारियों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा आयुर्वेद मात्र चिकित्सा पैथी ही नहीं अपितु जीवन का रहस्य है।

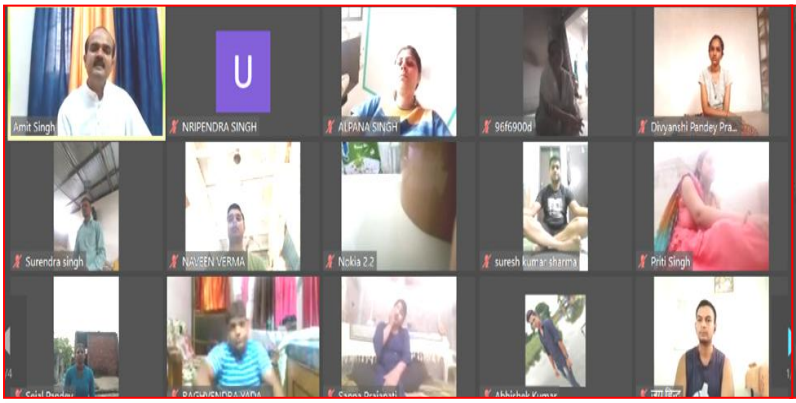

मुविवि के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं अधिकारियों की ऑनलाइन बैठक

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों एवं अधिकारियों की बैठक दिनाँक 10 जून, 2021 को पूर्वाह्न 11:30 बजे Zoom App के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

इस बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता द्वारा किया गया।

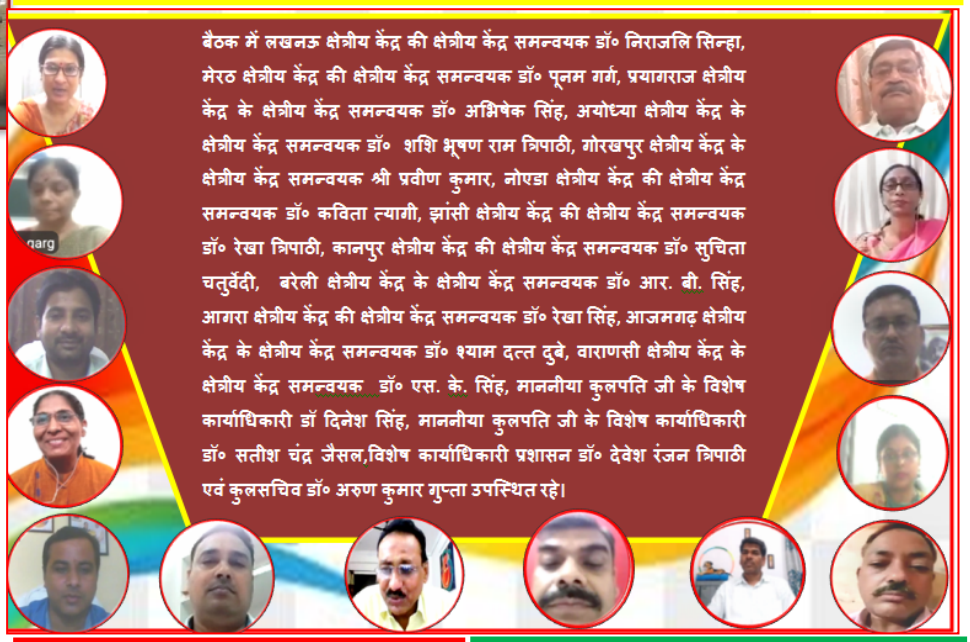

बैठक में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० निराजलि सिन्हा, मेरठ क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० पूनम गर्ग, प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० अभिषेक सिंह, अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० शशि भूषण राम त्रिपाठी, गोरखपुर क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक श्री प्रवीण कुमार, नोएडा क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० कविता त्यागी, झांसी क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० रेखा त्रिपाठी, कानपुर क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० सुचिता चतुर्वेदी, बरेली क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० आर. बी. सिंह, आगरा क्षेत्रीय केंद्र की क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० रेखा सिंह, आजमगढ़ क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० श्याम दत्त दुबे, वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ० एस. के. सिंह, माननीया कुलपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ दिनेश सिंह, माननीया कुलपति जी के विशेष कार्याधिकारी डॉ० सतीश चंद्र जैसल,विशेष कार्याधिकारी प्रशासन डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी एवं कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

अधिन्यास व्यवस्था के संदर्भ में माननीया कुलपति महोदया जी ने स्पष्ट किया कि हम सभी एक ही परिवार हैं, सभी की समस्या हम सबके लिए एक है, और इसे सामूहिक प्रयत्न से ही निपटाना होगा। माननीया कुलपति जी ने अधिन्यास के संबंध में स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय के नियमानुसार जो छात्र अंतिम तिथि तक अधिन्यास जमा करेगा, वही छात्र अंतिम रूप से परीक्षा में बैठने के योग्य होगा तथा उन्हें ही विश्वविद्यालय एडमिट कार्ड जारी करेगा।

इस नियम से सभी अध्ययन केंद्रों एवं छात्रों को अविलंब अवगत कराए जाने की आवश्यकता है। माननीया कुलपति महोदया ने इस नियम संबंधी सूचना को पुनः निर्गत करने के निर्देश कुलसचिव महोदय को दिए साथ ही सभी को स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय कैलेंडर के निर्माण का कार्य प्रारंभ है, जिससे आगामी तिथियों और महत्वपूर्ण कार्यों का स्पष्ट विवरण प्राप्त होगा। माननीया कुलपति महोदया ने यह भी बताया कि प्रश्नपत्र संरचना में परिवर्तन करते हुए आगामी परीक्षाएं एमसीक्यू पैटर्न पर अगस्त माह में संपादित की जाएगी।

माननीय कुलपति महोदय ने निर्देशित किया कि कानपुर बरेली तथा लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र जिनके पास अपने भवन हैं वह इसे बृहद रूप से क्रियान्वित करें शेष किसी ना किसी अध्ययन के नेटवर्क गांव को गोद लेकर वहां अधिकतम पीपल के वृक्ष रोपण कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई 2021 से 7 जुलाई 2021 के मध्य आयोजित करें तथा कार्यक्रम की फोटो संरक्षित करते हुए कुल सचिव एवं जनसंपर्क अधिकारी को अविलंब उपलब्ध कराए। उन्होंने सभी से यह भी अपेक्षा की कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार जनसंपर्क माध्यमों से किया जाए, जिसकी सूचना भी संदर्भ हेतु उपलब्ध कराई जाए, यथासंभव पीपल के पौधे स्वयं सेवी संस्थाओं से प्राप्त किए जाएं।

नैक द्वारा छात्रों एवं अध्ययन केंद्रों से फीडबैक प्राप्त करने के संबंध में

माननीया कुलपति महोदया ने सभी से अपेक्षा की कि वे अपने संबंधित अध्ययन केंद्रों से इस बिंदु पर चर्चा करें, जिससे वह अधिकतम छात्रों को इस प्रकार के आने वाले फीडबैक के लिंक की वैधता एवं उसका क्यों उत्तर दें, इसकी महत्ता बता सके। इसी क्रम में माननीया कुलपति महोदया ने सभी का आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक छात्रों से सीधा संपर्क कर संवाद स्थापित करें, जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण त्वरित एवं समयबद् ढंग से किया जा सके, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान भी सुव्यवस्थित हो सकेगा एवं विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयां भी प्राप्त हो सकेंगी।

मुविवि में भारतीय दर्शन में योग विषय पर व्याख्यान

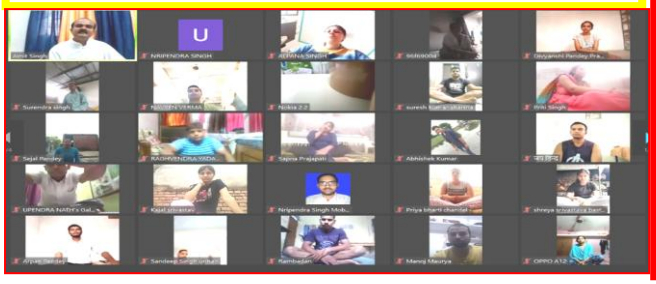

मुविवि में ऑनलाइन योग पखवाड़ा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में 7 जून 2021 से 21 जून 2021 तक ऑनलाइन योग पकवाड़ा का आयोजन शुरू किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 11 जून 2021 को **भारतीय दर्शन में योग**'' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ व्याख्यान के मुख्य वक्ता अध्यक्ष अखिल भारतीय दर्शन परिषद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जटाशंकर जी रहे।

प्रो0 जटाशंकर जी

महर्षि पतञ्जलि का अष्टाङ्ग योग ही सर्वश्रेष्ठ है . प्रोफेसर जटाशंकर

मुख्य वक्ता अध्यक्ष अखिल भारतीय दर्शन परिषद एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जटाशंकर जी ने कहा कि योग शब्द का प्रयोग अनेक अर्थों में हुआ है किन्तु महर्षि पतञ्जलि का अष्टाङ्ग योग ही सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय दर्शनों की दृष्टि समग्रतावादी है। यह प्रवृत्ति योग दर्शन में साफ दिखाई पड़ती है। इसीलिए महर्षि पतञ्जलि ने वाह्य से आन्तरिक संशोधन का मार्ग बताया है। पहले पर्यावरण का सुधार यम-नियम के द्वारा, फिर शरीर की पुष्टि आसन के द्वारा उसके बाद प्राण की पुष्टि प्राणायाम से और फिर ध्यान और समाधि तक कि यात्रा आत्मबोध कराती है। आज आसन आदि बहिरंग योग पर अधिक बल दिया जा रहा है किन्तु महर्षि पतञ्जलि के अष्टाङ्ग योग का प्रयोजन समाधि तक पहुंच कर स्व-रूप में स्थित होना ही है।

मुक्त विश्वविद्यालय में "आहार एवं पोषण के द्वारा शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 12 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 सुनीता मित्रा जी, विभागाध्यक्ष, फूड एवं न्यूट्रीशन, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा "आहार एवं पोषण के द्वारा शरीर में रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता का विकास" विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर माननीय अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं धन्यवाद प्रो0 जी.एस शुक्ल, निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा किया गया।

12 जून, 2021

आहार एवं पोषण का उचित सम्मिश्रण जीवन में खुशहाली प्रदान करती है– प्रो0 सुनीता मित्रा

मुख्य वक्ता प्रो0 सुनीता मित्रा जी, विभागाध्यक्ष, फूड एवं न्यूट्रीशन, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ ने अपने वक्तव्य में Immuno Boosters विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला मनुष्य के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए विभिन्न प्रकार के भोज पदार्थों के महत्व का उन्होंने विस्तार से वर्णन किया साथ ही जीवन शैली एवं दैनिक चर्या के महत्व का शरीर के ऊपर पड़ने वाले प्रभाव और आहार से इसको जोड़ते हुए अनेक बिंदुओं पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि आहार एवं पोषण का उचित सम्मिश्रण एवं नियमित जीवन अनुशासन पद्धति मनुष्य के जीवन में स्वास्थ्य एवं खुशहाली प्रदान करती है

मुख्य वक्ता
प्रो0 सुनीता मित्रा जी

मुक्त विश्वविद्यालय में "प्राचीन काल से अद्यतन योग का विकास एवं महत्व" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 13 जून 2021 को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता द्वारा प्राचीन काल से अद्यतन योग का विकास एवं महत्व विषय पर व्याख्यान दिया गया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं परामर्शदाता योग श्री अमित कुमार सिंह ने योग की विभिन्न विधाओं के बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य वर्धक आसनों और प्राणायाम के बारे में बताया।

प्रो0 जी.एस. शुक्ल जी

प्रारंभ में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने योग पखवाड़े के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा अतिथियों का स्वागत किया।

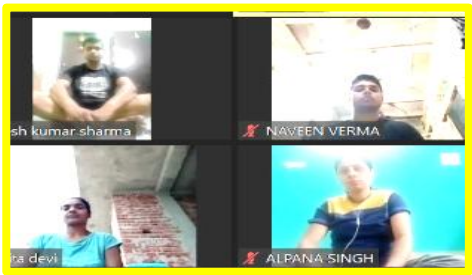

आध्यात्मिक विज्ञान है योग- कुलसचिव

मुख्य वक्ता
डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता जी

मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता ने प्राचीन काल से अद्यतन: योग का विकास एवं महत्व विषय पर ऑनलाइन उद्बोधन देते हुए कहा कि योग के आधार पर हम न केवल स्वस्थ जीवन एवं समाज का विकास कर सकते हैं बल्कि धर्म, आस्था एवं नस्लों के नाम पर बंटे मानव एवं राष्ट्रों में प्रेम एवं सहिष्णुता का प्रसार कर सकते है। डॉ गुप्ता ने बताया कि योग का तात्पर्य अपने अंदर निहित शक्तियों को विकसित करना और अपने अस्तित्व का प्रकृति एवं ब्रह्मांड से सामंजस्य स्थापित करना है, जिससे हमारा मन और शरीर स्वस्थ रहे। उन्होंने कहा कि यह एक आध्यात्मिक विज्ञान है जो हमें जीवन यापन की कला का बोध कराता है। डॉ गुप्ता ने योग के इतिहास और विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव को आदियोगी आदि गुरु माना जाता है। जिससे यह ज्ञान सप्तर्षियों को मिला। यह योग वैदिक काल में सामान्य जीवन का अंग बन गया। उपनिषदों, महाभारत और भगवतगीता में योग की विशद चर्चा की गई है। वैदिक काल में सूर्य प्रमुख देवता थे। इसी से सूर्य नमस्कार की योग परंपरा का प्रारंभ हुआ।

इसके बाद महर्षि पतंजलि ने योग को क्रमबद्ध रूप प्रदान किया तथा यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा ध्यान, समाधि का विस्तृत वर्णन किया। तत्पश्चात शंकराचार्य, रामानुजाचार्य ने इसे गति प्रदान की। डॉ गुप्ता ने कहा कि आधुनिक काल में रमन महर्षि, परमहंस योगानंद, स्वामी राम, श्री अरविंदो, स्वामी विवेकानंद, ओशो, बीकेएस अयंगर, श्री श्री रविशंकर एवं स्वामी रामदेव ने योग परंपरा को आगे बढ़ाया है। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। इसे मान्यता दिलाने में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का योगदान अविस्मरणीय है।

मुक्त विश्वविद्यालय में "कर्म योग" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग पखवाड़ा

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 14 जून 2021 को योग प्रशिक्षक श्री योगेंद्र सिंह योगी, मास्टर ट्रेनर आर्ट ऑफ लिविंग, बेंगलु द्वारा कर्म योग विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

मुख्य वक्ता
श्री योगेंद्र सिंह योगी जी

योग आत्मा का परमात्मा से मिलन है

योग प्रशिक्षक श्री योगेंद्र सिंह योगी ने कर्म योग पर व्याख्यान देते हुए कहा कि हम सब कर्म के बिना नहीं रह सकते योग आत्मा का परमात्मा से मिलन है। उन्होंने कहा कि अगर अंदर शांति है, तो बाहर क्रांति कर सकते हैं। आंतरिक शांति है, बाहर क्रांति ला सकती हैं, जो दुविधा में हैं, वह कुछ नहीं कर सकते। आज युवक पूरे विश्व में प्रचलित है। श्री योगी ने कहा कि समाज में कुछ अच्छा करने की आवश्यकता है। हमें यह समझना चाहिए कि अपने जीवन में कर्म योग कैसे लाएं। हम जो भी कर्म करें उसे प्रसन्नता से करें। समाज में हर व्यक्ति की अलग अलग भूमिका है। शिक्षा के माध्यम से ज्ञान प्रदान करना सकारात्मक परिवर्तन का द्योतक है, और यही कर्म योग है । शिक्षक को यह समझना चाहिए कि विद्यार्थी के जीवन में कुशलता आये, यही कर्मयोगी की पहचान है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह आज ऐसा काम करें, जिससे समाज का लाभ हो, समाज में जिसे जिस तरह की भूमिका मिली है, उसे प्रेम से करने से अच्छे समाज का निर्माण होता है। श्री योगी ने कहा कि योग एवं शिविरों के माध्यम से युवाओं तक पहुंचना हमारा दायित्व है। ध्यान एवं सेवा के माध्यम से आगे बढ़ा जा सकता है।

परीक्षा समिति की 32वीं बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो॰ सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 32वीं बैठक दिनांक 14 जून, 2021 को अपराह्न 3:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रो0 सीमा जी ने की। बैठक में परीक्षा से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में विश्वविद्यालय के प्रो0 ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, प्रो0 पी.पी. दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 (डॉ0) जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, डॉ0 संजय सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज, विज्ञान विद्याशाखा, डॉ0 दिनेश सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा एवं श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यगण।

मुक्त विश्वविद्यालय में "योग से अभय" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 15 जून 2021 को योग प्रशिक्षक एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री अनिल कुमार जी अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा "योग से अभय" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

अनिश्चितता में है जीवन का सौंदर्य- अपर मुख्य सचिव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने योग से अभय विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि पूर्वाग्रह से रहित एवं भयमुक्त मन ही जीवन के सौंदर्य को निखारता है। 90 प्रतिशत डर भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए होता है। हमें यह समझना चाहिए कि जो घटना हुई नहीं उसके लिए डर कैसा। डर भूतकाल और वर्तमान का नहीं होता। डर केवल अनिश्चितता का है। भविष्य की आशंका का है। अपर प्रमुख सचिव श्री कुमार ने कहा कि वर्तमान में हम जो कर्म कर रहे हैं, उससे डर का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में अनिश्चितता ना हो तो यह जीवन मशीन हो जाएगा। आनंद इसी में है कि भविष्य में अनिश्चितता है। जीवन का सौंदर्य अनिश्चितता में है। योग से जीवन में अभय की स्थिति आती है और क्षमता प्रस्फुटित होती है। जीवन में स्वतंत्रता का आनंद अनुभव होता है।

उन्होंने प्रतिभागियों को योग की कई विधाओं से अवगत कराया। श्री कुमार ने प्रतिभागियों के मन से डर को दूर भगाने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षण भी किया।

मुख्य वक्ता
श्री अनिल कुमार जी

माननीया कुलपति
प्रो॰ सीमा सिंह जी

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना अमूल्य समय देकर न केवल विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है बल्कि विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी उनके प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं।

महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना

- मुक्त विश्वविद्यालय महिलाओं को पढ़ाएगा शिक्षा स्वास्थ्य स्वाभिमान का पाठ
- राज्यपाल के निर्देश पर कुलपति ने की महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना
- प्रो रुचि बाजपेई बनीं समन्वयक

माननीया राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है। यह केंद्र बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वावलंबन एवं तकनीकी संसाधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित करेगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि महिला अध्ययन केंद्र राज्य एवं केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी महिलाओं तक पहुंचाएगा।

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

प्रो सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित हुए महिला अध्ययन केंद्र का उद्देश्य महिला जगत को विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ प्रदान करना है। इसके बारे में उन्हें पर्याप्त जानकारी और व्यावहारिकता से अवगत कराया जाएगा । उन्होंने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से समाज में महिलाओं के विरुद्ध व्याप्त परंपरागत कुरीतियों से उन्हें सजग किया जाएगा तथा सफल महिलाओं के जीवन दर्शन के बारे में उन्हें बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास होगा कि वह गांव में कार्यशाला संचालित करेगा तथा महिला सुरक्षा समिति का गठन करके महिलाओं के अंदर सुरक्षा का भाव जागृत करेगा।

कुलपति ने बताया कि इस केंद्र का प्रमुख फोकस गांव की महिलाओं के अंदर से झिझक दूर करना है। जिससे वे समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे पर्दा प्रथा एवं दहेज के खिलाफ आवाज उठा सकें। बेटियों को पढ़ाने तथा उन्हें घर से बाहर निकलने देने के लिए उनके माता-पिता को प्रेरित किया जाएगा। बेटियों का भविष्य संवारने के लिए केंद्र के सदस्य घर की महिलाओं के साथ घुलमिल कर उनका विश्वास जीतने का प्रयास करेंगे। प्रो सिंह ने बताया कि नवगठित महिला अध्ययन केंद्र वर्ष भर महिलाओं के विकास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का प्रमुखता से समाधान किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा का भी सहयोग लिया जाएगा। बच्चों को पोषण युक्त आहार की सुनिश्चितता के लिए भी यह केंद्र जागरूकता अभियान चलाएगा। यह केंद्र महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों के बारे में भी उन्हें जानकारी सुलभ कराएगा। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने महिला अध्ययन केंद्र की स्थापना कर प्रोफेसर रुचि बाजपेई को समन्वयक, डॉ मीरा पाल को सह समन्वयक, तथा डॉ साधना श्रीवास्तव को सहायक समन्वयक बनाया है। महिला अध्ययन केंद्र नवगठित समिति की बैठक करके आगामी कार्यक्रमों की योजनाओं की रिपोर्ट शीघ्र ही कुलपति को सौंपेगा। डॉ मिश्र ने बताया कि केंद्र की मासिक गतिविधियों की रिपोर्ट राज्यपाल सचिवालय को भी प्रेषित की जाएगी।

मुक्त विश्वविद्यालय में "योग: कर्मसु कौशलम्" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 16 जून 2021 को योग प्रशिक्षक एवं व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री अनिल कुमार जी अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा "योग: कर्मसु कौशलम्" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

कर्मयोग जीवन जीने की एवं विभिन्न विधाओं के समग्र संपादन का मूल है - अपर मुख्य सचिव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने कहा कि जीवन में कर्म योग से ही मनुष्य को अपने अभीष्ट की प्राप्ति हो सकती है कर्म के बिना उद्देश्य पूर्ण जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती समाज राष्ट्र और पूरा विश्व कर्म योगियों को बड़े आदर के साथ महत्वपूर्ण स्थान देता है उन्होंने कहा कि कर्मयोग जीवन जीने की एवं विभिन्न विधाओं के समग्र संपादन का मूल है कर्मियों के द्वारा भारत भूमि पर विभिन्न महापुरुषों ने संपूर्ण विश्व में कई प्रतिमान स्थापित किए हैं जो सर्व मौलिक एवं सर्व कालीन है।

उन्होंने प्रतिभागियों को योग की कई विधाओं से अवगत कराया।

मुख्य वक्ता
श्री अनिल कुमार जी

माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स श्री अनिल कुमार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना अमूल्य समय देकर न केवल विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है बल्कि विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी भी उनके प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं।

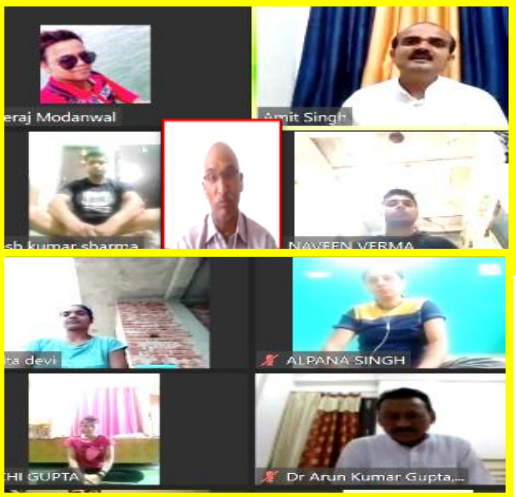

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक संपन्न

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने आज दिनांक 16 जून 2021 को राजभवन से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह, वित्त अधिकारी (चार्ज) प्रो॰ ओमजी गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, महिला अध्ययन केंद्र की प्रभारी, प्रो॰ रुचि बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में डिजिटल लॉकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

वित्तीय नियमों का अक्षरश: पालन करें

महालेखाकार की आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण हो

महिला सशक्तीकरण पर अधिक से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये जाए

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा करते हुए माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में रिक्त पदों पर राजभवन सचिवालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शासन द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं पारदिर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया अपनाई जाए तथा विज्ञापन में संपूर्ण चयन प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख हो। उन्होंने निर्देश दिए कि महालेखाकार की आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण हो तथा लंबित समस्त डिग्री प्रमाण-पत्रों को यथाशीघ्र विद्यार्थियों के पते पर भेजना सुनिश्चित करें साथ ही लंबित प्रमाण-पत्रों की सूचना अपनी वेबसाइट पर भी डालें। विश्वविद्यालय में डिजिटल लॉकर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। माननीय राज्यपाल जी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय राज्य विश्वविद्यालयों के साथ ए.एम.यू. करके वहां पर अपने अध्ययन केंद्र बनाए ताकि छात्रों को सहूलियत हो सके।

माननीया राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केंद्र की समीक्षा करते हुए महिला सशक्तीकरण पर अधिक से अधिक कार्यक्रम किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि महिला जागरूकता के लिए विश्वविद्यालय गोष्ठी एवं सेमिनार आदि आयोजित करें, जिसमें नवनिर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को भी शामिल करते हुए उन्हें सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी दें। इसके साथ ही आंगनबाडी केंद्रों को सहयोग देते हुए कुपोषित बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा क्षय रोग ग्रसित बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु ग्राम प्रधानों को प्रेरित करें, ताकि इस प्रकार के समस्याओं से उनकी ग्राम सभा मुक्त हो सके। माननीया कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने बच्चों को विभिन्न गोष्ठियों व सेमिनार में बोलने के लिए भी तैयार करें ताकि वे विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को लोगों के समक्ष प्रभावी ढंग से रख सकें, जिससे दहेज प्रथा, लड़का-लड़की में भेद जैसी कुरीतियों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को नारी निकेतन, जेल, अस्पताल आज का भी भ्रमण कराये ताकि वह वहां के अनुभव को जानकर अपने आने वाले समय में विभिन्न बुराइयों से बच सकें।

माननीया कुलाधिपति जी ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिए कि वे अपने सभी कर्मियों, उनके परिजनों तथा छात्रों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करायें साथ ही योग दिवस तथा वृहद वृक्षारोपण के लिए भी अपनी तैयारी करें। उन्होंने सुझाव दिया कि उचित होगा कि अधिक से अधिक पीपल के वृक्ष लगाये जाय।

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घटन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में दिनांक 16 जून, 2021 को **'पाथेय'** कार्यक्रम के अन्तर्गत विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी रहीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता जी थे। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये इस कार्यक्रम को कराने का आशय स्पष्ट किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रोग्राम के अन्तर्गत श्री परमानन्द उपाध्याय द्वारा लोकगीत व ठुमरी, श्रीमती पूर्णिमा भट्टाचार्या व श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी ने काव्यपाठ तथा श्री ईश्वरनाथ विश्वकर्मा ने लोकगीत का गायन किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारी श्री सत्यवीर राम त्रिपाठी तथा मंचासीन मा0 अतिथिगण एवं कुलगीत प्रस्तुत करती हुई परीक्षा विभाग की कर्मचारीगण।

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुये परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने परीक्षा विभाग के कर्मचारियों के समर्पण तथा कठोर परिश्रम की विस्तृत चर्चा की। इसके अतिरिक्त परीक्षा कार्य में आने वाली कठिनाईयों से भी मुख्य अतिथि को अवगत कराया।

कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित कर्मचारियों के सम्मान एवं कार्यशीलता को प्रोत्साहन देने के कार्यक्रम 'पाथेय' के लिये परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह की प्रशंसा की और कहा कि अच्छे नेतृत्व में ही उत्तम कार्य होते हैं। उन्होंने कुलपति महोदया प्रो0 सीमा सिंह के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिसके नेतृत्व एवं संरक्षक में विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में सकारात्मक आमूलचूल परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहा है। डॉ0 गुप्ता ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपका सकारात्मक दृष्टिकोण अपने अन्दर एक लगन, निष्ठा, आत्मियता पैदा करता है जिससे प्रेरित होकर आप बिना थके अपनी शक्ति और ऊर्जा का शत प्रतिशत उपयोग करते है जिसका लाभ पूरी संस्था को मिलता है। उन्होंने परीक्षा विभाग और सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों का सम्मान

परीक्षा विभाग के कर्मयोगियों को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में कुलसचिव अरूण कुमार गुप्ता एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी इस आयोजन से अत्यन्त प्रसन्न हुई। उन्होंने अपने उद्बोधन में परीक्षा विभाग व परीक्षा नियंत्रक से उपेक्षा की कि विश्वविद्यालय के अन्य विभागों को भी ऐसे आयोजनों के लिए प्रेरित करें। मा0 कुलपति महोदया मुक्त कंठ से परीक्षा विभा के कर्मचारियों की प्रशंसा की तथा उन्हें आगे भी ऐसे ही कार्य करने के लिए उत्साहित किया। मा0 कुलपति महोदया ने इस आयोजन के प्रेरणास्रोत व विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक के नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए कुशल प्रशासक बताया।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए परीक्षा विभाग के कर्मचारीगण।

मुक्त विश्वविद्यालय में "योग के नैतिक आयाम" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 17 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ अतुल कुमार मिश्रा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा "योग के नैतिक आयाम" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

दूसरों का कल्याण करना ही सर्वोत्तम मानव सेवा हो सकती है - डॉ अतुल कुमार मिश्रा

मुख्य वक्ता
डॉ अतुल कुमार मिश्रा जी

डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने कहा कि आज हम लोग इस बात की चर्चा करेंगे कि योग की पद्धति अपनाने पर किस तरह से व्यक्तिगत और सार्वजनिक रूप से नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिलता है जिसके आधार पर व्यक्तिगत तौर पर ही नहीं वैश्विक स्तर पर शांति सौहार्द की स्थापना की जा सकती है, अभी तक योग दर्शन में वर्णित अष्टांग मार्ग में यम और नियम को ही सदाचार का आधार माना जाता रहा है जहां पर यह सत्य, अहिंसा, अस्तेय ,अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के माध्यम से कुछ कार्यों को न करने का निषेध करता है वही अष्टांग मार्ग का दूसरा नियम सदाचरण अर्थात अच्छे कामों को करने के लिए प्रेरित करता है जिसके अंतर्गत शौच, संतोष, तप स्वाध्याय एवं ईश्वर प्राणी धान आते हैं,योग का नैतिक संदेश यही तक नहीं है, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा,ध्यान समाधि तक पहुंचने पर साधक को आत्मा का शरीर से अलग होने की अनुमति होती है, यही यथार्थ में आध्यात्मिकता है जिससे सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों अहिंसा, सर्वे भवंतु सुखिनः, वसुधैव कुटुंबकम् आदि का जन्म होता है, भारतीय दार्शनिक परंपरा में माना जाता है कि आत्मा के स्तर पर हम सभी समान है,हम सब एक हैं, जो तुम हो वह मैं हूं, इसलिए तुम्हें कष्ट होगा तो मुझे होगा इसी से अहिंसा और सर्वकल्याण की धारणा बनती है, चूंकि हम सभी एक ही आत्मतत्व हैं, इसलिए संपूर्ण विश्व एक परिवार है

समसामयिक दौर के श्रेष्ठ विचारकों में सम्मिलित और 'सेपियंस' किताब के लेखक युवा नोवा हरारी अपनी बौद्धिक क्षमता के विकास का श्रेय ध्यान प्रक्रिया को मानते हैं वही 'द प्राइस ऑफ स्लोनेस' के लेखक और पुलित्जर पुरस्कार विजेता कार्ल ऑनरे ने सुखमय जीवन का आधार ध्यान पद्धति को बताया है और इसके साथ हाल ही में चले एक लंबे शोध में नेशनल ज्योग्राफिकल चैनल ने निष्कर्ष निकाला कि बागवानी, जिम की अपेक्षा योग की प्रक्रिया डिप्रेशन या तनाव को कम करने में सर्वाधिक कारगर है तथापि यहां मैं कहना चाहता हूं कि अभी तक हम सभी लोग सहयोग के ध्यान के महत्व को समझ पाए हैं इससे आगे बढ़कर जब उसके समाधि की या को समझेंगे और आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार करेंगे तब जो नैतिक मूल्य विकसित होते हैं उससे संपूर्ण मानवता का भला होता है, 'वर्ल्ड इकोनामिक फोरम'ने विश्व के सामने तीन प्रमुख चुनौतियों को बताया है पहला, अमीरी गरीबी में बढ़ती खाई दूसरा, अकेलापन और तीसरा, पर्यावरण असंतुलन | यदि ध्यान से देखा जाए तो योग का नैतिक आयाम है इन तीन समस्याओं को सुलझाने में ,चुनौतियों को कम करने में मदद कर सकता है ,जैसा कि ऊपर मैंने बताया कि अकेलेपन से निपटने का सबसे अच्छा तरीका योग को माना जाता है अगर योग के साथ पूरे आसनों को जोड़ लिया जाए और चिंतन पद्धति को सम्मिलित कर ले तो अकेलापन दूर किया जा सकता है , पुनः योग की पूरी चिंतन पद्धति पर्यावरण सह- अस्तित्व आधारित है इसलिए यह पर्यावरण के संकट में सहायता कर सकते हैं जहां तक बात है अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई -इसके लिए अगर योग की जो समाधि की अवस्था में अगर धीरे-धीरे विचारक इस बात को महसूस करने लगेंगे हम सब एक ही समान स्तर पर चेतना है या एक ही आत्म स्वरूप तत्व हैं तो शायद एक दूसरे को दर्द को समझा जा सकता है, आज आवश्यकता है योग को संपूर्ण रूप में स्वीकार करने की, यह स्वास्थ्यवर्धक है- यह तो सबको पता है तथापि योग की आध्यात्मिकता धीरे-धीरे संपूर्ण मानवता में अहिंसा सर्वे भवंतु सुखिनः वसुधैव कुटुंबकम अस्तित्व जैसे मूल्यों को आत्मसात कराने में मददगार हो सकती है ,इतना ही नहीं योग की जो चिंतन प्रक्रिया है वह पूरी दुनिया में बढ़ रहे उपभोक्तावाद से भी दुनिया को मुक्त करने में सहयोग कर सकती है, स्वामी विवेकानंद ने इसी आत्म तत्व को स्वीकार करते हुए मनुष्य की सर्वोत्तम पूजा 'दरिद्र नारायण' की सेवा स्वीकार किया है, उनके अनुसार हम सब एक ही आत्म तत्व हैं और आत्मा ही ईश्वर है इसलिए दूसरों का कल्याण करना ही सर्वोत्तम मानव सेवा हो सकती है, अंग्रेजी साहित्यकार रस्किन बांड से पूछा गया कि भारत में कौन सी एक ऐसी विशेषता है जो आपको पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलती है, तो उनका उनका उत्तर था कि भारत की आध्यात्मिकता। यहां का बच्चा-बच्चा आत्मा के अस्तित्व पर विश्वास करता है उन्होंने उदाहरण दिया -एक बार वह मसूरी के पहाड़ों से नीचे उतर रहे थे एक छोटी बच्ची एक मैमने से खेल रही थी, मैंने उस छोटी बच्ची से पूछा यह मैंमना कौन है ? उसने उत्तर दिया कि यह पिछले जन्म में हमारा रिश्तेदार था। रस्किन कहते हैं यहां बच्चा-बच्चा पुनर्जन्म और आत्मा के अस्तित्व पर विश्वास करता है यही वह आशावादी संदेश है जो पूरी दुनिया में एक समानता और बंधुत्व लाने में कारगर हो सकता है, आशा करता हूं कि धीरे-धीरे विश्व योग को स्वीकार करते हुए उसके नैतिक पक्षों को भी आत्मसात कर सकेगा तो फिर इसी से उम्मीद बनती है कि आने वाला पूरा मानव भविष्य सुरक्षित हो और सुख में हो सकेगा

विद्या परिषद् की 66वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 66वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को पूर्वाह्न 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 ए.आर. सिद्दीकी, विभागाध्यक्ष, भूगोल, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागरा, प्रो0 आर.के. सिंह सिंह, डीन, कला संकाय, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 एन.के. राना, भूगोल विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी, प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य, (इतिहास) समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री मनोज कुमार बलवन्त, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री डी.पी. सिंह, परीक्षा नियंत्राक, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (विशेष आंमत्रित) एवं डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

विद्या परिषद के अपनी प्रथम बैठक में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

कार्य परिषद् की 118वीं (आकस्मिक) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 118वीं (आकस्मिक) बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को अपराह्न 03:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में प्रो0 निर्मला एस. मौर्या, कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद दास, प्रतिकुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 गोविन्द शेखर, अवकाश प्राप्त प्राचार्य, बहराइच, श्री सुशील गुप्ता, रायबरेली, डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, आचार्य, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 दिनेश सिंह सहायक निदेशक/असिस्टेण्ट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

कार्यपरिषद के अपनी प्रथम बैठक में सभी माननीय सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में स्थापित महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक दिनांक 17 जून, 2021 को दोपहर 12:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महिला अध्ययन केन्द्र की प्रभारी प्रो0 रूचि बाजपेयी, डॉ0 श्रति, डॉ0 मीरा पाल, डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं निदेशकए स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल उपस्थित रहें।

महिला अध्ययन केन्द्र की बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

दिनांक 17 जून 2021 को महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों के साथ माननीया कुलपति] प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने बैठक की तथा माननीया राज्यपाल] उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा महिलाओं, बालिकाओं एवं क्षय रोग से ग्रस्त बालिकाओं तथा झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों वाले ऐसे बालक एवं बालिकाएं जो कुपोषित हो, उनके उत्तम भविष्य के लिए माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया द्वारा जो अमूल्य निर्देश दिए गए हैं उसको साकार एवं मूर्त रूप देने के लिए महिला अध्ययन केंद्र के सभी सदस्यों को निर्देशित किया कि माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति महोदया के निर्देश एवं इच्छा का यथाशीघ्र सम्मान कार्यों के क्रियान्वयन से ही पूर्ण किया जा सकता है। अतः आप लोग इस दिशा में यथाशीघ्र योजना बनाकर माह जून में ऐसे अपेक्षित महिलाओं, कुपोषित बालक, बालिकाओं एवं क्षय रोग से संबंधित बच्चों के भविष्य निर्माण हेतु यथाशीघ्र कम से कम तीन से चार कार्यक्रम आयोजित करना सुनिश्चित करें। गांव स्तर पर इसके निमित्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं महिला ग्राम प्रधानों को सरकार की तरफ से जो भी योजनाएं एवं सुविधाएं उनके लिए दिए गए हैं उसके प्रति उन्हें जागरूक करना, जिससे वे अपने अधिकार के प्रति जागरूक होकर इस योजना का पूर्ण लाभ उठा सकें।

मुक्त विश्वविद्यालय में "नई शिक्षा नीति और योग" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

मुक्त विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण पखवाड़े का आयोजन

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा आयोजित सप्तम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 7 जून 2021 से दिनांक 21 जून 2021 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वविद्यालय के योग शिक्षक श्री अमित कुमार सिंह, सुबह 6:30 बजे से 7:30 तक योग का प्रशिक्षण देते हैं तथा सुबह 7:30 बजे से 8:00 बजे तक योग के किसी एक विषय पर विशेषज्ञों का व्याख्यान होता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जी ने किया एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 जी.एस. शुक्ल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। योग प्रशिक्षण के इसी क्रम में आज दिनांक 18 जून 2021 को व्याख्यान के मुख्य वक्ता राज्य तकनीकी शिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप जी द्वारा "नई शिक्षा नीति और योग" विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

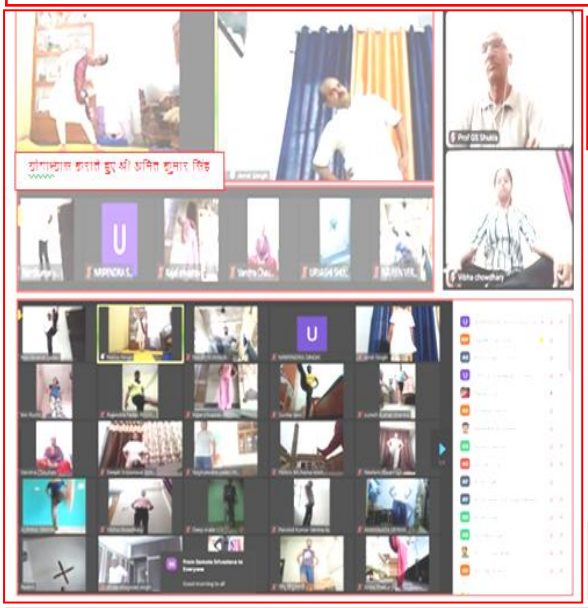

शिक्षक योगभ्यासी होकर स्वस्थ परम्परा का संवाहक बन सकता है - ललिता प्रदीप

मुख्य वक्ता सुश्री ललिता प्रदीप जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सातवें योग प्रशिक्षण महोत्सव के अंतर्गत चल रहे योग प्रशिक्षण पखवाड़े में आज राज्य तकनीकी शिक्षण संस्थान, (SIET) उत्तर प्रदेश की निदेशक सुश्री ललिता प्रदीप ने व्याख्यान देते हुए कहा कि योग जीवन में श्रेष्ठता और पूर्णता का भाव प्राप्त करने का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने कहा कि योग की शिक्षा को बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु औपचारिक शिक्षा का अंग बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत की समृद्ध विरासत को 21वीं शती की आवश्यकताओं से जोड़ती है। उन्होंने कहा कि योग को शारीरिक शिक्षा में समाहित किया गया है। शिक्षक योगभ्यासी होकर स्वस्थ परम्परा का संवाहक बन सकता है। सूक्ष्म व्यायाम/योग को कक्षा कक्ष में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योग के छात्रों के पास रोजगार की अपार संभावनाएं भी होती हैं। योग्य प्रशिक्षुओं को अन्तराष्ट्रीय स्तर पर भी अवसर प्राप्त हो सकते हैं।
विश्वविद्यालय को अपने योग के प्रशिक्षित छात्रों को स्कूलों में intern की तरह भेजना चाहिए। सुश्री प्रदीप ने Be with Yoga, Be at Home" संदेश के साथ अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की थीम और शुभकामनाएं दी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

द्वारा आयोजित ऑनलाइन

सप्तम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

एवं

योग पखवाड़ा समापन समारोह

मुख्य अतिथि
श्री अनिल कुमार
अपर मुख्य सचिव, होमगार्डस विभाग
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

अध्यक्षा
प्रो० सीमा सिंह
कुलपति
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज

समन्वयक
प्रो. (डॉ.) जी. एस. शुक्ला
निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

आयोजन सचिव
श्री अमित सिंह
शैक्षणिक परामर्शदाता योग
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

उत्तरापेक्षी
डॉ. अरुण कुमार गुप्ता
कुलसचिव
उ.प्र.रा.ट.मु.वि.वि., प्रयागराज

माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

तनाव मुक्ति का रामबाण इलाज है योग- प्रोफेसर सीमा सिंह

योग विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निदान का रामबाण इलाज है। कोरोना काल में तनाव मुक्त करने की प्रक्रिया योग है। योग उन सारे द्वारों को खोल देता है जो हमें आनंद की ओर ले जाते हैं।

उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन योग प्रशिक्षण पखवाड़े के समापन समारोह में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि योग व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संपूर्णता की ओर ले जाने में योग की क्रमबद्ध श्रृंखला है। योग से जहां सकारात्मक परिवर्तन परिलक्षित होते हैं वही यह हमें प्रसन्नता की ओर ले जाता है। आनंद की अनुभूति, सकारात्मकता तथा रचनात्मकता हमें योग से ही प्राप्त होती है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एक पखवाड़े तक प्रशिक्षण ले रहे योग शिक्षार्थियों से कहा कि वह योग को जीवन का हिस्सा बनाएं, जीवनशैली बनाएं, जीवन की पद्धति बनाएं, इसे अपने जीवन में अपनाएं, तराशें और फिर आनंदित हो जाएं। उन्होंने कहा कि योग वह प्रकाश और ज्योति है, जिसको अगर जला दिया जाए तो फिर वह कमजोर नहीं पड़ती। योग स्वयं से जुड़ने में और स्वयं को खोजने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मन का विचारशून्य अवस्था में पहुंचना ही योग है- अपर मुख्य सचिव

अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार जी

समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव श्री अनिल कुमार ने कहा कि योग वर्तमान में जीने की कला सिखाने वाली संस्कृति है। योग से ही जीवन में आनंद का सृजन होता है। योगाभ्यास से नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। श्री कुमार ने कहा कि योग हमें भूतकाल की स्मृतियों और भविष्य की आशंकाओं से मुक्त करता है। मन का विचारशून्य अवस्था में पहुंचना ही योग है।

मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

विश्व योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उत्तर प्रदेश में स्थित समस्त क्षेत्रीय केंद्रों के समन्वयकों एवं छात्र छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर योगाभ्यास करके विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को प्रोत्साहित किया।

7वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र आगरा के अंतर्गत आने वालेS-1460,S-1493,S-350,S-1655,S-1459,S-1566 आदि अध्ययन केन्द्रो पर COVID-19 का दिशा निर्देशन का पालन करते हुए योग दिवस मनाया । क्षेत्रीय कार्यालय आगरा पर ऑनलाइन व्याख्यान "योग ही जीवन का मूलाधार " का आयोजन हुआ जिसका संचालन डॉ रेखा सिंह क्षेत्रीय समन्यवक आगरा के किया , जिसके मुख्य अतिथि डॉ नीलम सिंह चिकित्सा पदाधिकारी (आयुष)प्रखंड रामपुर कैमूर तथा प्रमुख वक्ता डॉ पी एस कुमार चिकित्सा पदाधिकारी (आयुष)प्रखंड रामपुर कैमूर रहे ।

मुविवि में कुलपति ने किया आनलाइन प्रवेश का शुभारम्भ

कुलपति ने प्रथम प्रवेशार्थी का किया स्वागत

मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सत्र जुलाई 2021-22 के लिए प्रवेश कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। प्रवेश अनुभाग में आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बी.ए. में प्रवेश लेने वाली प्रथम छात्रा का स्वागत किया। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि इस बार की प्रवेश प्रक्रिया को काफी सरलीकृत किया गया है। जिससे छात्रों को ऑनलाइन प्रवेश में किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। प्रवेश प्रक्रिया एक साथ प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, गोरखपुर, वाराणसी, आगरा मेरठ, नोएडा, झांसी, कानपुर, अयोध्या तथा आजमगढ़ क्षेत्रीय केंद्रों के अंतर्गत आने वाले 1300 अध्ययन केंद्रों में प्रारंभ हुई।

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

प्रथम प्रवेशार्थी का स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध 127 शैक्षिक कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश आज से प्रारंभ हो गया है। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बार सिर्फ ऑनलाइन प्रवेश एवं शुल्क जमा किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ ओम जी गुप्ता, डॉ आशुतोष गुप्ता, डॉ संजय सिंह, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ दिनेश सिंह, डॉ सतीश चंद जैसल, डॉ सीके सिंह, डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं कुलसचिव डॉ ए के गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राज्यपाल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय पहुंचा गांव

मानविकी विद्या शाखा ने लिया जैतवारडीह को गोद

गांव की महिलाओं से किया संवाद, मिटाई झिझक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित हुए महिला अध्ययन केंद्र ने गांव की ओर रुख किया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र ने मानविकी विद्या शाखा द्वारा गोद लिए गए सोरांव विकासखंड के जैतवारडीह गांव में आज महिला सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। विश्वविद्यालय की टीम जब गांव में पहुंची तो गांव की महिलाएं एवं बच्चे उन्हें कौतूहलवश देखने लगे। जब उन्हें बताया गया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने इस गांव को अंगीकृत करके विकास का बीड़ा उठाया है तो उनके चेहरे खुशी से चमक उठे।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने उन्हें बताया कि अब इस गांव में कैंप लगाकर यहां के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता आदि के लिए सामुदायिक एवं प्रसार कार्यों का आयोजन निरंतर किया जाएगा। इस तरह गांव की महिलाओं से घुलमिल कर उन्होंने उनकी झिझक मिटाई।

गांव की महिलाओं से संवाद करती प्रोफेसर रुचि बाजपेई।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने कहा कि गांव की महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन तथा सामाजिक एवं आर्थिक सबलता लाने के लिए उनमें जागरूकता की एक नई मुहिम विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई है। प्रो. बाजपेई ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्री महेंद्र गिरी एवं आशा वर्कर पुष्पा श्रीवास्तव से उनकी राय लेकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया। कोरोना कॉल में गांव की सभी महिलाओं को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया। गांव की इंटरमीडिएट पास महिलाओं को विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं रोजगार परक कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि तरक्की के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार गांव में अति आवश्यक है। घर के आस-पास सफाई रखने तथा पॉलिथीन मुक्त अभियान में अपना सहयोग देने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर मानविकी विद्या शाखा के निदेशक डॉ सत्यपाल तिवारी ने कहा कि समाज में महिला जागरूकता और बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजगता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए मानविकी विद्या शाखा ने जैतवारडीह गांव को गोद लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का निश्चय किया है।

मानविकी विद्या शाखा के निदेशक डॉ सत्यपाल तिवारी को गांव वालों ने बताया कि महिला साक्षरता के लिए गांव में कोई उचित व्यवस्था नहीं है। बालिकाओं को घर से दूर पढ़ने के लिए जाना पड़ता है। साथ ही कुछ महिलाओं का यह भी कहना था कि वह स्वयं पढ़ी लिखी नहीं है फिर भी वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहती हैं। गांव वालों का आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने तथा रोजगार के लिए मजदूरी और शारीरिक श्रम ही एकमात्र साधन है। गांव वालों को सरकारी योजनाओं की अल्प जानकारी थी। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने उन्हें योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी ।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की सह समन्वयक डॉ श्रुति एवं डॉ मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव, प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ अब्दुल रहमान, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं राजेश गौतम ने विश्वविद्यालय की तरफ से किए जा रहे प्रयासों से गांव वालों को अवगत कराया तथा ग्राम प्रधान श्री महेंद्र गिरि से गांव के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए उनके सुझाव मांगे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर आसपास के कई ग्रामों के लोगों एवं ग्राम प्रधानों ने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू की गई इस पहल की काफी सराहना की।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर गठित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा मानविकी विद्या शाखा के साथ प्रारंभ किए गए इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने मानविकी विद्या शाखा को अंगीकृत गांव के विकास के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

शिक्षा विद्याशाखा
उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
व्याख्यान श्रृंखला– 'समसामयिक शैक्षिक चिंतन'
व्याख्यान–१, विषय– वर्तमान महामारी समय में शिक्षक–शिक्षा : मुद्दे और समाधान

विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 24 जून 2021 को 'समसामयिक शैक्षिक चिंतन' व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'वर्तमान महामारी के समय में शिक्षक - शिक्षा : मुद्दे और समाधान' विषय पर पूर्वाहन 11:00 बजे जूम ऐप के माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह जी, पूर्व आचार्य एवं संकायाध्यक्ष शिक्षा संकाय, बी.एच.यू. वाराणसी एवं पूर्व कुलपति जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की ।

प्रो0 हरिकेश सिंह जी

शिक्षा क्षेत्र में हुई क्षति की भरपाई आभासी दुनिया से- प्रो0 हरिकेश सिंह

शिक्षक शिक्षा जब वास्तविक स्वरूप में संचालित होती है तो उससे जीवन के प्रत्येक पहलू लाभान्वित होते हैं। आभासी दुनिया ने एक विकल्प देकर शिक्षा के क्षेत्र में हो रही क्षति की भरपाई सुनिश्चित की है। उक्त उद्गार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में समसामयिक शैक्षिक चिंतन व्याख्यानमाला के अंतर्गत वर्तमान महामारी के समय में शिक्षक-शिक्षा: मुद्दे और समाधान विषय पर व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार ने व्यक्त किये। प्रो0 सिंह ने कहा कि शिक्षा जगत में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसका समाधान संभव नहीं है। इसके लिए हमें सभी संस्थाओं से विचार-विमर्श करके शैक्षिक आपदा से संबंधित वैकल्पिक दस्तावेज तैयार रखनी चाहिए। जिससे जब कभी आपदा आए तो इन विकल्पों के माध्यम से निराकरण संभव हो सके। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी व्यापक रूप में आई और इसने जनजीवन को सबसे अधिक अस्त-व्यस्त किया। शिक्षा जगत इससे अत्यधिक प्रभावित हुआ है। कक्षा और प्रयोगशाला में मिलने वाले अनुभव को इस महामारी में हम सभी ने खो दिया है। प्रो0 सिंह ने कहा कि हमें पाठ्यक्रम को एक्शन ओरिएंटेड बनाना चाहिए। संकट की इस घड़ी में पाठ्यक्रम में जो क्षति हुई है, उसको पहचान कर दूर करने का प्रयास करें। जिससे गुणवत्ता का उन्नयन हो।अन्य पाठ्यक्रमों पर छोटे-छोटे समूह बना कर क्षति रिपोर्ट तैयार की जा सकती है।

माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

वर्तमान परिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है- प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षा ही एकमात्र विकल्प है। शिक्षण प्रशिक्षण को उपयोगी एवं प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक विधियां विकसित की गई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान कोविड-19 महामारी के समय में शिक्षण प्रशिक्षण से संबंधित मुख्य समस्या इंटर्नशिप एवं अभ्यास शिक्षण को लेकर है।

शिष्टाचार भेंट

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने दिनांक 25 जून 2021 को राजभवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की तथा विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं एवं छात्र हित में किए जा रहे कार्यों से माननीया कुलाधिपति महोदया जी को अवगत कराया।

माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से शिष्टाचार भेंट करती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुक्त विश्वविद्यालय ने लेहरा गांव में बांटे मास्क एवं प्रास्पेक्ट्स
महिला अध्ययन केंद्र ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए लगाया कैंप

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित हुए महिला अध्ययन केंद्र ने गांव की ओर रुख किया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में महिला अध्ययन केंद्र ने कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत गांव लेहरा में महिला अध्ययन केंद्र ने महिला सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर महिलाओं में आत्मविश्वास जगाने के लिए उन्हें उत्प्रेरित किया गया। सामाजिक भेदभाव, लड़के-लड़कियों में अंतर, अशिक्षा, अंधविश्वास, कम उम्र में विवाह, पर्दा प्रथा आदि सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनमें जागरूकता लाने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र ने विश्वविद्यालय की तरफ से ग्रामीण महिलाओं को मास्क का वितरण करते हुए उसे सही ढंग से पहनने के बारे में बताया। इसके साथ ही कोविड-19 टीकाकरण और हैंड सैनिटाइजर के प्रयोग के महत्व को बताया गया। महिला अध्ययन केंद्र ने ग्रामीणों को विश्वविद्यालय की तरफ से प्रवेश विवरणिका की प्रतियां नि:शुल्क प्रदान की तथा कैरियर से संबंधित कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए अभिप्रेरित किया, साथ ही शैक्षणिक कार्यक्रमों को पूरा करके आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। कुलपति प्रो0 सीमा सिंह स्वयं महिलाओं के उत्थान एवं उनमें जागरूकता लाने के लिए विशेष रूप से प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर मुक्त विश्वविद्यालय में गठित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांव के लोगों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता आदि के लिए सामुदायिक प्रसार कार्यक्रमों का संचालन प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं को विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ की गई योजना काफी रास आ रही हैं। लेहरा ग्राम में आयोजित सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो0 रुचि बाजपेई, सह-समन्वयक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 मीरा पाल तथा सहायक समन्वयक डॉ0 साधना श्रीवास्तव ने ग्रामीण महिलाओं से बातचीत द्वारा उनकी कठिनाइयों को जानकर उन्हें उचित सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। महिलाओं को बताया गया कि जब तक उनकी सोच आत्मनिर्भर नहीं होगी, सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से उन्हें नहीं मिल सकता। कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 प्रेम प्रकाश दुबे ने कृषि विद्याशाखा द्वारा अंगीकृत गांव लेहरा में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर डॉ0 शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्री राजेश गौतम एवं श्री अंकित मिश्रा आदि ने जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

- पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधों का रोपण आवश्यक है।
- " वृक्ष लगाओ, विश्व बचाओ।"
- स्वाध्याय, स्वमर्थन एवं स्वावलंबन के मंत्र को शिक्षार्थी अपने जीवन में आत्मसात करें।
- स्वच्छ भारत, निरोगी भारत।
- आत्मरक्षा-देश रक्षा ।

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का माननीया कुलपति ने किया निरीक्षण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का दिनांक 26 जून 2021 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए परिसर में पीपल के पौधे का रोपण किया।

इससे पूर्व पहली बार लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा ने कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी का अभिवादन किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता एवं लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से समबद्ध परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा ने उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के परिसर में वृक्षारोपण करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

वृक्षारोपण में ही मानव जीवन निहित है: प्रो0 सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने क्षेत्रीय समन्वयक एवं क्षेत्रीय केंद्र पर कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि दो माह के अंदर अपने क्षेत्रीय कार्यालय परिसर को पेड़-पौधों से आक्षान्दित करें। विशेष रुप से पीपल का पौधा एवं फलदार पौधों का ही रोपण किया जाए। इसके साथ ही क्षेत्रीय समन्वयक को निर्देशित किया कि आप अपने अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्रों के केंद्र समन्वयक एवं प्राचार्य से समन्वय स्थापित करते हुए अधिकाधिक पौध रोपण कराये।

माननीया कुलपति जी ने लोगों से अपील की तथा कहा कि केवल वृक्ष लगाने तक ही अपने उत्तरदायित्व को संपन्न न समझे बल्कि 6 माह तक निरंतर उसमें पानी, खाद इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करते रहे। ऐसा करने से ही संपूर्ण मानव जगत का कल्याण किया जा सकता है। वृक्षारोपण में ही मानव जीवन निहित है, बिना वृक्ष के मानव जीवन प्राण के है। अतः उन्होंने कहा "वृक्ष लगाएं, विश्व बचाये।"

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का अभिवादन एवं स्वागत करते हुए लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता, केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजलि सिन्हा एवं लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध परामर्शदाता डॉ. अलका वर्मा

क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. ओम जी गुप्ता, केंद्र

महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए: प्रो0 सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का शनिवार को विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने निरीक्षण किया।

प्रो0 सिंह ने क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण करके प्रवेश की स्थिति और परीक्षा की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी में स्थित यह क्षेत्रीय कार्यालय एक आदर्श केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। ज्ञातव्य हो कि गत वर्ष राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के कर कमलों से क्षेत्रीय केंद्र का उद्घाटन हुआ था। प्रयागराज से बाहर यह विश्वविद्यालय का ऐसा क्षेत्रीय केंद्र है जो अपने भवन से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय केंद्र तक आने वाले सभी छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए।

माननीया कुलपति जी ने क्षेत्रीय केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक बैठक भी आहूत की जिसमें उन्होंने कुछ स्पष्ट एवं सख्त निर्देश भी दिए और उन्होंने कहा हमारे विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली शिक्षार्थी केंद्रित है। अतः सर्वप्रथम शिक्षार्थियों के पठन-पाठन से संबंधित सभी आवश्यकताएं यथासंभव समय से पूर्ण किए जाएं। शिक्षार्थी के समस्या का समाधान स्थल पर ही निस्तारित किया जाए। इसके साथ ही परीक्षा के संबंध में राज्य सरकार के दिशा निर्देश का पालन करते हुए परीक्षाएं शुचिता पूर्ण एवं नकल विहीन संपादित कराए जाएं। शिक्षार्थियों की सभी समस्याओं का निदान अविलंब किया जाए। शिक्षार्थी ही देश के भविष्य हैं, यह एक अच्छे संदेश वाहक भी हैं, यदि इनके साथ आप सहृदयता दिखाते हुए उनका कार्य समय पर पूर्ण करेंगे तो निसंदेह समाज में एक अच्छा संदेश प्रचारित एवं प्रसारित होगा। ऐसा करने से विज्ञापन इत्यादि पर होने वाले खर्च से विश्वविद्यालय को बचाया जा सकता है।

आपने सत्र 2021-22 हेतु प्रवेश के संबंध में कहा कि इसकी सूचना क्षेत्रीय कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाएं एवं दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से प्रवेश के संबंध में सूचना प्रचारित एवं प्रसारित किया जाए। आवश्यकतानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर प्रवेश हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया जाए।

माननीया कुलाधिपति महोदया के द्वारा महिलाओं, बालिकाओं एवं निशक्त बालकों के उत्थान हेतु कुछ दृढ़ संकल्प लिए गए हैं। माननीया कुलाधिपति महोदया के इन योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए माननीया कुलपति जी ने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को विश्वविद्यालय मुख्यालय के समान ही एक गांव गोद लेने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अध्ययन केंद्र के समन्वयको को अभिप्रेरित किया जाए कि वह भी एक-एक गांव गोद लेकर गांव में व्याप्त में निरक्षरता, गरीबी निशक्तता, अस्वच्छता, स्वावलम्बि बनने के लिए आत्मनिर्भरता की कमी, महिला उत्पीड़न, क्षय रोग इत्यादि। उपरोक्त बिंदुओं के आलोक में राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं से आम जनमानस को जागरूक करने एवं अपने अधिकार के प्रति सजग होने के लिए जागरूकता कार्यक्रम सप्ताहवार गांव में आयोजित किए जाएं। इसके लिए गांव के ग्राम प्रधान एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से इस दिशा में कार्य किया जाए। जिससे एक स्वच्छ सुंदर एवं सभ्य समाज की स्थापना की जा सकती है। कुलपति प्रो0 सिंह ने निर्देश दिया कि महिलाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाए।

मुविवि के टीकाकरण शिविर में कुलपति ने लगवाया टीका

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कोविड-19 टीकाकरण शिविर में इंजेक्शन लगवाती हुई विश्वविद्यालय के माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खुद टीकाकरण करवाया। आज उन्होंने वैक्सीन की दूसरी खुराक ली। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि टीकाकरण अभियान में हम सब को भागीदार होना चाहिए। कोरोना महामारी से लड़ने के लिए टीकाकरण ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के निर्देशन एवं कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता की देखरेख में आज दिन भर टीकाकरण का अभियान चलाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर, सरस्वती परिसर एवं यमुना परिसर में स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों एवं शिक्षकों को वैक्सीन लगाई गई। विश्वविद्यालय में टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाने पर कर्मचारियों ने कुलपति प्रो0 सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग के टीम का स्वागत किया। टीकाकरण करवाने वालों में शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

मुक्त विश्वविद्यालय का टाम न मातादान का पूरा म माहलाआ का किया जागरूक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा फाफामऊ के मातादीन का पूरा में **'महिला स्वास्थ्य एवं समुदाय पोषण जागरूकता कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा द्वारा अंगीकृत इस गांव में ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों को कोरोना वायरस से बचाव हेतु मास्क वितरण किया गया। समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने ग्रामीण महिलाओं के स्वास्थ्य शिक्षा व आत्मनिर्भरता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को कोरोना वायरस से बचाव हेतु टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य जन समुदाय में उच्च शिक्षा, ज्ञान और रोजगार परक कौशलों के विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क विकास करता है। इसी के दृष्टिगत आज का यह कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य और समुदाय पोषण के संबंध में जागरूकता के लिए विश्वविद्यालय के स्थापित महिला अध्ययन केंद्र के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

महिला अध्ययन केंद्र की अन्य पदाधिकारियों ने ग्रामीण अंचल की महिलाओं और बालिकाओं को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया । महिलाओं व किशोरियों के व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पोषण और संतुलन आदि के विषय में विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला। महिलाओं को खून की कमी से होने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए उन्होंने इस कमी को दूर करने हेतु भोजन में नियमित रूप से गुड़ व चना के सेवन पर बल दिया। उन्होंने हरे पत्तेदार सब्जियों प्रोटीन युक्त पदार्थ जैसे दूध मछली अंडा पनीर आदि का प्रयोग आवश्यक बताया गर्भवती महिलाओं को अपने भोजन में 70 से

75 ग्राम प्रोटीन नियमित रूप से लेने की सलाह दी। संतुलित आहार में दाल रोटी सब्जी दही आदि सभी होना चाहिए। खट्टे फलों का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए। 18 वर्ष से अधिक के सभी लोग अनिवार्य रूप से टीकाकरण करवाएं स्वास्थ समिति द्वारा दिए गए महिला अध्ययन केंद्र की कार्यकारी समिति के सदस्य राजेश गौतम, शैक्षणिक परामर्शदाता, पुस्तकालय विज्ञान ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों प्रवेश परीक्षा सामग्री आदि के संबंध में विस्तार से बताया साथ ही महिलाओं के प्रवेश संबंधी जिज्ञासा को भी समाधान किया समिति ने महिलाओं को स्वच्छता के बारे में भी जानकारी प्रदान की। सदस्यों ने कार्यक्रम में आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी से बातचीत करके महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी मामले में उनकी राय ली। वहां उपस्थित 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों को मध्यान्ह भोजन, संतुलित एवं पौष्टिक आहार आदि के बारे में बताया गया। जागरूकता शिविर में प्रोफेसर रुचि बाजपेई के साथ डॉ श्रुति, डॉ मीरा पाल तथा डॉ साधना श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सांख्यिकी दिवस पर मुविवि में वेबीनार आयोजित

कार्यक्रम का संचालन करती हुई आयोजन सचिव डॉ श्रुति

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी श्री अनुज सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, एन एस एस ओ, प्रयागराज ने दी। अतिथियों का स्वागत डॉ आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित (आफलाइन एवं आनलाइन) प्रतिभागीगण

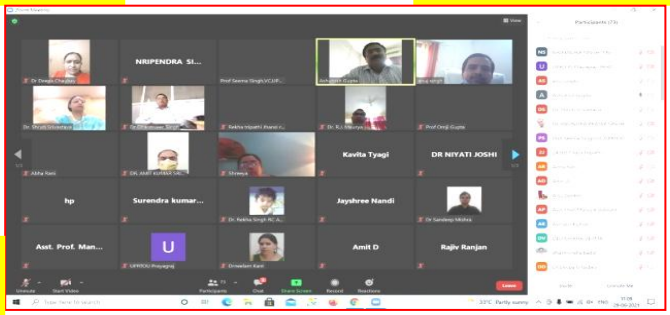

सतत विकास लक्ष्य में सांख्यिकी की भूमिका महत्वपूर्ण- प्रो. चतुर्वेदी

मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कोविड-19 के समय सांख्यिकी की उपयोगिता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्य में सांख्यिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि प्रो0 अनूप चतुर्वेदी

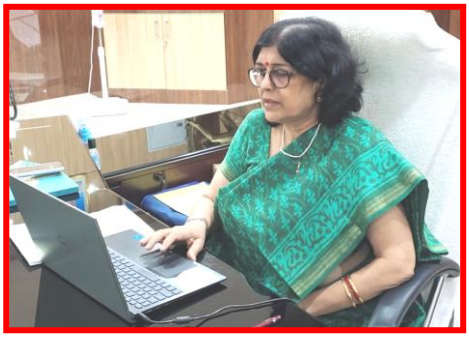

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने सर्वप्रथम भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो0 प्रशांत चंद्र महानालोबिस के योगदान को याद करते हुए नमन किया। उन्होंने सांख्यिकी का महत्व बताते हुए बिग डाटा एनालिसिस में सांख्यिकी की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

सतत कृषि प्रोत्साहन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है : जोशी

मुख्य वक्ता डॉ नियति जोशी

मुख्य वक्ता डॉ नियति जोशी, निदेशक, वित्त मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड आफ डायरेक्ट टैक्सेस, नई दिल्ली ने सतत विकास के लक्ष्य के बारे में बताया साथ ही एसडीजी 2 की थीम शून्य भुखमरी, खादय सुरक्षा प्राप्ति और बेहतर पोषण तथा सतत कृषि प्रोत्साहन पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि भुखमरी को खत्म करने का लक्ष्य प्राप्ति वर्ष 2030 तक रखा गया है।

नए शैक्षिक सत्र में गांवों में जलेगी शिक्षा की अलख समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी गांव में कैंप लगाया

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में माननीयय राज्यपाल के निर्देश एवं कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के निर्देशन में समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी टीएसएल नैनी प्रयागराज को गोद लिया है। गोद लिए गांव में मंगलवार को समाज विज्ञान विद्या शाखा ने वृक्षारोपण एवं कोविड-19 महामारी एवं बचाव के संदर्भ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रो0 संतोषा कुमार, प्रभारी, समाज विज्ञान विद्या शाखा के नेतृत्व में सभी शिक्षकों के चांडी गांव पहुंचने पर वहां कौतूहल का माहौल बन गया। मुक्त विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्या शाखा ने चांडी गांव को गोद लेकर उसे संवारने का संकल्प लिया है।

प्रो0 संतोष कुमार ने बताया कि इस गांव में कैंप लगाकर यहां के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम निरंतर किए जाएंगे। समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्राध्यापकों ने गांव में जाकर महिलाओं से बातचीत कर उनको सरकारी योजना के बारे में बताया। साथ ही वर्तमान में कोविड-19 महामारी के बारे में विस्तृत चर्चा कर कोविड-19 महामारी से बचाव एवं सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। टीकाकरण कराने पर जोर दिया गया। गांव के लोगों को यह भी बताया गया कि महामारी से डरना नहीं है अपितु सकारात्मक सोच के साथ कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करने पर जोर दिया गया। महामारी के बारे में दी गई जानकारी से गांव की महिलाओं एवं बच्चों के बीच आत्मविश्वास का भाव दिखा। साथ ही समाज विज्ञान विद्या शाखा की तरफ से मास्क,सेनीटाइजर, पंपलेट वितरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्रीमती पार्वती निषाद एवं प्रधान पति श्री राजेश निषाद ने अध्यापकों का स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय द्वारा गांव को गोद लेने पर हर्ष व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा सुमंगल संस्था के श्री अजीत ने विश्वविद्यालय के इस कार्यक्रम को समाज में बदलाव हेतु क्रांतिकारी कदम बताया । अंत में प्रो0 संतोषा कुमार ने गांव के महिलाओं, बुजुर्गों के बीच कोविड-19 के प्रभाव को कम करने के लिए वैक्सीनेशन के प्रति जागरूकता पर बल दिया। इस अवसर पर डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. संजय कुमार सिंह, सुनील कुमार, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव, रमेश चंद यादव, मनोज कुमार, डॉ अभिषेक सिंह आदि ने ग्रामीणों को विश्वविद्यालय की कार्य योजनाओं से अवगत कराया।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रतिरोधक क्षमता पर हुआ व्याख्यान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालयए प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को सकारात्मक स्वास्थ्य तथा प्रतिरोधकता क्षमता की अभिवृद्धि में आहार एवं पोषण का महत्व विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया । व्याख्यान के मुख्य अतिथि केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थानए सारनाथए वाराणसी के कुलपति पद्मश्री प्रो॰ गेशे नवांग सामतेन जी रहे। मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालयए लखनऊ की प्रो॰ सुनीता मिश्रा जी तथा विशिष्ट वक्ता गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयए पंतनगरए उत्तराखंड की प्रो॰ सरिता श्रीवास्तव जी रही। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो॰ सीमा सिंह जीने की।

प्रो॰ जी॰एस॰ शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। ऑनलाइन व्याख्यान का संचालन आयोजन सचिव डॉ॰ मीरा पाल एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ॰ अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

संयोजक प्रो॰ गिरिजा शंकर शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वास्थ्य को ही असली पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि हम अपनी नियति के स्वयं लेखक हैं और अपने जीवन के स्वयं आर्किटेक्ट हैं। परमात्मा ने हमें इतनी शक्ति दी है कि हम अपने जीवन के अभीष्ट को प्राप्त कर सकते हैं एवं परिस्थितियों को परिवर्तित कर सकते हैं।

मुख्य वक्ता भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ की प्रो॰ सुनीता मिश्रा ने विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों में उपस्थित महत्वपूर्ण घटकों का विस्तार से वर्णन किया और अच्छे स्वास्थ्य में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो॰ सुनीता मिश्रा

विशिष्ट वक्ता गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड की प्रो॰ सरिता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें जंक फूड के स्थान पर अपने परंपरागत भोजन को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही योग एवं ध्यान का भी अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने सकारात्मक स्वास्थ्य के लिए आहार एवं पोषण के महत्व का विस्तार से वर्णन किया।

विशिष्ट वक्ता प्रो॰ सरिता श्रीवास्तव

पद्मश्री प्रोफेसर गेशे नवांग सामतेन

इम्युनिटी बढ़ाने में सकारात्मक मनोवृति आवश्यक- पद्मश्री सामतेन

व्याख्यान के मुख्य अतिथि केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के कुलपति पद्मश्री प्रोफेसर गेशे नवांग सामतेन ने कहा कि खाद्य पदार्थों एवं फसलों में हानिकारक तत्वों की उपस्थिति नहीं होनी चाहिए। इस पर रोकथाम हेतु एक जनजागरण अभियान के साथ ही आवश्यक कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आहार के महत्व एवं शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करने के लिए मन से शरीर के रोगों को दूर करने की विधा पर प्रकाश डाला। पद्मश्री प्रोफेसर सामतेन ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता की अभिवृद्धि में सकारात्मक मनोवृति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता

आहार एवं पोषण का अपने जीवन में संतुलन रखें- प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि कोविड संक्रमण काल में लोगों में इम्युनिटी के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि आहार एवं पोषण का अपने जीवन में संतुलन रखें तो हमारी इम्यूनिटी सही रह सकती है। भोजन करते समय हमारे विचार अच्छे होने चाहिए जिससे हमारे शरीर को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सौहार्दपूर्ण वातावरण से समाज का कल्याण और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।